राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 28 जून 2023 वर्ष-6,अंक-154 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवजोत सिद्धू के बेटे करण की गंगा किनारे हुई सगाई; कौन हैं होने वाली बहू इनायत रंधावा

अमृतसर। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू के घर पर जल्दी ही शहनाई बजने वाली है। उनके बेटे करण सिद्धू की सगाई हो गई है। खुद नवजोत सिंह सिद्धू ने गंगा स्नान के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इसकी

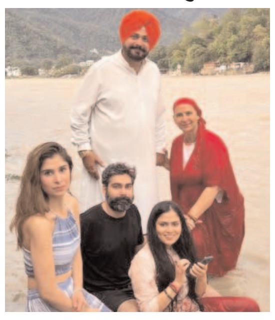

जानकारी दी है। सिद्धू ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा है कि बेटे ने मां की इच्छा का सम्मान किया है और अपनी जिंदगी के नए सफर की शुरुआत का फैसला लिया है। इन तस्वीरों में सिद्धू परिवार की होने वाली बहू इनायत रंधावा भी दिख रही हैं, जो पंजाब के ही पटियाला की रहने वाली हैं।

नवजोत सिद्धू ने इनायत रंधावा को वुड बी डॉटर इन लॉ बताते हुए लिखा, बेटे ने अपनी प्यारी मां की ख्वाहिश को पूरा किया है। दुर्गा अष्टमी के पावन दिन पर मां गंगा की गोद में नई शुरुआत की है। हमारी होने वाली बहू इनायत रंधावा से परिचय। दोनों प्रॉमिस बैंड शेयर किए हैं। नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर कैंसर से पीड़ित हैं और इलाज करा रही हैं। परिवार की ओर से ऐसी कोई बात नहीं कही गई है, लेकिन माना जा रहा है कि नवजोत कौर की बीमारी के चलते ही बेटे की सगाई की गई है और जल्दी ही शादी भी होगी। करण सिद्धू की होने वाली पत्नी इनायत रंधावा पटियाला की रहने वाली हैं। वह पटियाला के जाने-माने नाम मनिंदर रंधावा की बेटी हैं। सेना में रहे मनिंदर रंधावा फिलहाल पंजाब डिफेंस सर्विस वेलफेयर डिपार्टमेंट में डिप्टी डायेक्टर के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

बंगाल और केरल बिगाड़ रहे विपक्षी एकता का गणित, भाजपा उठा सकती है बड़ा फायदा

एक तरफ विपक्षी एकता का दावा कर रही पार्टियां एक साथ दिखाई देती हैं तो राज्यों में वे धुर विरोधी बनी हुई हैं। बंगाल में टीएमसी के खिलाफ कांग्रेस और सीपीएम हैं तो वहीं केरल में कांग्रेस और CPM विरोधी है

नई दिल्ली। भाजपा सरकार को 2024 में हटाने की मंशा से विपक्षी एकता की कवायद लंबे समय से चल रही है। हालांकि अभी यह कोशिश के ही रूप में है। तमाम कोशिशों के बाद जब अरविंद केजरीवाल इस विपक्षी एकता मंच की ओर झुके तो यह सियासी गणित केरल और बंगाल में फेल होता नजर आ रहा है। दरअसल पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और सीपीएम दोनों ही सत्ताधारी टीएमसी के खिलाफ नजर आती हैं। तो वहीं केरल में सीपीएम और कांग्रेस धुर विरोधी पार्टियां हैं।

राहुल गांधी ने केरल में कांग्रेस नेतृत्व से बात की और कहा कि वह किसी भी राजनीतिक बदले से नहीं डरते। वहीं ममता बनर्जी ने सीपीएम और कांग्रेस दोनों पर ही भाजपा का साथ देने का आरोप लगा दिया। अब भाजपा के खिलाफ एकजुट होने के रास्ते में केरल और

बंगाल एक बड़ी चुनौती बनकर खड़े हैं।

केरल कांग्रेस अध्यक्ष के सुधाकरण कुछ विधायकों के साथ राहुल गांधी से सोमवार को मिले थे। राहुल गांधी ने ट्विटर पर ग्रुप फोटो पोस्ट किया और कहा, कांग्रेस पार्टी किसी भी

राहुल गांधी ने केरल में कांग्रेस नेतृत्व से बात की और कहा कि वह किसी भी राजनीतिक बदले से नहीं डरते। वहीं ममता बनर्जी ने सीपीएम और कांग्रेस दोनों पर ही भाजपा का साथ देने का आरोप लगा दिया।

राजनीतिक चाल से नहीं डरती है। कांग्रेस ने सीपीएम पर उसके नेताओं पर हमला करवाने का आरोप लगाया है। पटना में हुई विपक्ष की बैठक में देश के लोकतंत्र को बचाने की चर्चा हुई तो इसके बाद सीपीएम चीफ सीताराम येचुरी ने टीएमसी पर ही पश्चिम बंगाल में हिंसा करवाने के आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि एक तरफ टीएमसी लोकतंत्र को बचाने के लिए भाजपा को बाहर करने की बात करती है तो दूसरी तरफ अपने ही राज्य में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रही है। येचुरी ने कहा कि अगर ममता बनर्जी को लगता है कि उन्हें जनादेश मिल रहा है तो उन्हें डरने की क्या जरूरत है। पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष पंचायत चुनाव होने देना चाहिए। बंगाल में टीएमसी के खिलाफ कांग्रेस और सीपीएम गठबंधन में हैं तो वहीं केरल में हैं तो वहीं केरल में विरोधी हैं। अभी ऐसी कोई उम्मीद भी नहीं है कि इन तीन पार्टियों के बीच का गणित ठीक हो सके।

रोचक बात यह है कि बीते सप्ताह पटना में हुई विपक्षी की बैठक में राहुल गांधी, सीताराम येचुरी और ममता बनर्जी तीनों ही शामिल हुए थे। ये तीनों उस प्रेस कॉन्फ्रेंस का भी हिस्सा थे जिसमें विपक्षी एकता का ऐलान किया गया था।

तेल तेरे बाप का आदिपुरुष के डायलॉग पर क्या बोले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, अज्ञातवास से निकल तोड़ी चुप्पी

राजगढ़। अज्ञातवास से निकलकर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक बार फिर अपना दरबार सजा लिया है। बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों मध्य प्रदेश के राजगढ़ में कथा कर रहे हैं। राजगढ़ के खिलचीपुर में तीन दिवसीय हनुमंत कथा के दौरान धीरेंद्र शास्त्री हाल ही में आई विवादित फिल्म आदिपुरुष पर भी बोले। फिल्म में हनुमानजी पर दिखाए गए सीन और डायलॉग को लेकर उन्होंने कहा कि हनुमान जो को ऐसा बनाया कि वीर बजरंगी ही बचाएं। उन्होंने कहा कि डायलॉग लिखने वाले कहीं फंस गए तो जय-जय सीताराम। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, कुछ दिनों पहले एक फिल्म आई, उसमें हनुमान जी को ऐसा बनाया कि वीर बजरंगी ही बचाएं। हमने तो फिल्म पूरी देखी नहीं, हम इसमें पड़ते नहीं, लेकिन किसी ने हमें दिखाया। हमें देखकर इतनी हंसी आई, हनुमान जी कहीं होंगे तो जिन्होंने इसे लिखा है और वह फंस गए तो जय जय सीताराम। जिन्होंने लिखा है हनुमान जी के बारे में, तेल तेरे बाप का... हनुमान जी बोलने में वाकपटु हैं, लेकिन इतने भी कटु थोड़ी हैं। हनुमान जी बहुत ज्ञानी हैं, बहुत बुद्धिमान हैं, सौम्य हैं। तर्क देने में बहुत अच्छे हैं, ऐसे भी तर्क प्रस्तुत ना करो कि तर्क ही खराब हो। संस्कार सिखाने वाले और सनातन

के संरक्षण वाली फिल्मे बनाए जाने की जरूरत बताते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, हम कुछ कह देंगे तो लोग कहेंगे कि विवाद करते हो। हमारी तरफ से तो ठीक है, हनुमान जी सबको सतबुद्धि दो। भारतीय फिल्म हमारे बच्चों के मन मस्तिष्क पर छाप छोड़ती हैं। भारत में ऐसी फिल्में बनाई जाएं जिससे संस्कारों की वृद्धि हो सके, सनातन का संरक्षण हो सके।

सुरक्षा पाने को नेता खुद कराते हैं कॉल, मैं देशभक्त गैंगस्टर जो खालिस्तान के खिलाफ: लॉरेंस बिश्नोई

नई दिल्ली। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से नेशनल इन्वेस्टिगेशन टीम की पूछताछ जारी है। खबर है कि बिश्नोई ने जांच एजेंसी को जबरन वसूली के काम, रुपयों के बदले धमकी भरे कॉल समेत कई गतिविधियों की जानकारी दी है। साथ ही गैंगस्टर ने जांच अधिकारियों को जेल में रहकर चल रहे 'बिजनेस मॉडल' के बारे में भी बताया है। कहा जा रहा है कि उसके नेटवर्क में कई बड़े गैंगस्टर्स का नाम भी शामिल है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया, गैंगस्टर ने जांच अधिकारियों को बताया है कि वह शराब कारोबारियों, कॉल सेंटर के मालिकों, ड्रग सप्लायर और रियल एस्टेट कारोबारियों से हर महीने

2.5 करोड़ रुपये की जबरन वसूली करता था। साथ ही दावा किया है कि कई राजनेता और कारोबारी उसे जबरन वसूली के लिए धमकीभरे कॉल करने के लिए कहते थे, ताकि उन्हें संबंधित राज्य की पुलिस से सुरक्षा मिल सके। बीते साल हुई पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में भी लॉरेंस का नाम सामने आया था। इस हत्या का मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ को माना जा रहा था। इसके अलावा गैंगस्टर ने कई मौकों पर बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को भी मारने की बात कही है।

दाऊद और खालिस्तान के खिलाफ

रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया, लॉरेंस ने दावा किया है कि वह खालिस्तान की बात के खिलाफ है और सिर्फ अन्य अपराधियों के साथ मिलकर अपना क्राइम सिंडिकेट चलाना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, गैंगस्टर ने पूछताछ के दौरान बताया है कि वह डी कंपनी और दाऊद इब्राहिम के भी खिलाफ है।

कैसे काम करता है गैंग

खबर है कि NIA को लॉरेंस से जानकारी मिली है कि वह उत्तर प्रदेश के धनंजय सिंह, हरियाणा के काला जठेड़ी, राजस्थान के रोहित गोदारा और दिल्ली के रोहित मोई और हाशिम बाबा के साथ मिलकर काम करता है। रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया, इस बिजनेस मॉडल में वे टोल की सुरक्षा और हिस्सेदारी के लिए कॉन्ट्रेक्ट लेते थे। साथ ही किसी दुश्मन को खत्म करने के लिए वह एक दूसरे को हथियारों के साथ शूटर्स भी उपलब्ध कराते थे।

कुपवाड़ा में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मार गिराया गया आतंकी, दो जवान भी घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बीती रात पुलिस और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराया गया। वहीं पुलिस के दो जवान भी घायल हो गए हैं। पुलिस का कहना है कि मारे गए आतंकी के पास से गोला बारूद बरामद किया गया है। सोमवार की देर रात यह एनकाउंटर हूवरा गांव के पास शुरू हुआ था। कश्मीर पुलिस जोन ने ट्वीट किया, कुलगाम जिले के हूवरा गांव में एनकाउंटर शुरू हुआ। पुलिस के जवान अपना काम कर रहे हैं। पुलिस का एक जवान घायल हुआ है। ऑपरेशन चल रहा है और जल्द ही आगे की जानकारी दी जाएगी। बाद में ऑपरेशन की जानकारी देते हुए पुलिस ने कहा कि एक स्थानीय आतंकी मारा गया है। उसकी पहचान अभीबाकी है। बता दें कि एक दिन पहले ही सुरक्षाबलों ने एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया था। उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा में पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ की कोशिश की जा रही थी। कुपवाड़ा में पुलिस और सेना के संयुक्त अभियान में काला जंगल इलाके में आतंकियों को मार गिराया गया था। इस ऑपरेशन में पांच आतंकी मार गिराए गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने कहा,

कुपवाड़ा के काला जंगल इलाके में सेना के साथ मिलकर बड़ी घुसपैठ को नाकाम किया गया। वे पीओकी की तरफ से सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। वहीं सेना के चिना कॉर्प्स ने यह भी कन्फर्म किया था कि आतंकियों के पास से युद्ध जैसा गोला-बारूद का स्टोर मिला।

उत्तर-पश्चिमी राज्यों में 12 गुना तक ज्यादा बारिश, दो दिनों में 7 राज्यों के 30 लोगों की मौत

हिमाचल प्रदेश में 150 रोड बंद

दिल्ली। कुछ दिनों की सुस्ती के बाद मानसून लगभग पूरे उत्तर और उत्तर पश्चिम भारत में पहुंच गया है। उत्तर-पश्चिमी राज्यों में 24 घंटे में सामान्य से 2 से 12 गुना तक अधिक बारिश हुई है। सोमवार को मानसून पंजाब और गुजरात में और आगे बढ़ा। देश के पूर्वी, मध्य, उत्तर-पश्चिम व पश्चिमी राज्यों में पांच दिन मानसून सक्रिय रहेगा। अगले 24 घंटे में 24 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान है। दो दिन में बारिश और भूस्खलन जैसी घटनाओं से सात राज्यों में 30 लोगों की मौत हुई है। इनमें से 9 हिमाचल प्रदेश में, 6 मुंबई में, 5 राजस्थान में, 2-2 हरियाणा और पंजाब में

राजस्थान के उदयपुर में सोमवार रात एक घर ढह जाने से दो लोगों की जान गई

हुई। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हुई है। दिल्ली में करंट लगने से 1 महिला की जान गई है। हिमाचल के मंडी जिले में 48 घंटे में भूस्खलन की दो घटनाएं हुईं। इसके चलते चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे-21 दो जगहों पर घंटों बंद रहा। इस रूट पर लगा जाम 20 घंटे बाद खुला। अब भी यहां 150 रोड बंद हैं। आज के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में 102.5 करोड़ रुपए के नुकसान की आशंका है।

किसानों के लिए गुड न्यूज, अगले सप्ताह से 9 गांवों के लोगों को मिलेगा अतिरिक्त मुआवजा

ग्रेटर नोएडा। किसानों के लिए खुशखबरी है। यमुना प्राधिकरण नौ गांवों के किसानों को अगले सप्ताह से अतिरिक्त मुआवजा देना शुरू कर देगा। किसानों को करीब 593 करोड़ रुपये बांटे जाने हैं। गांव में कैंप लगाकर मुआवजा दिया जाएगा। प्राधिकरण बोर्ड ने इस पर मुहर लगा दी है। प्राधिकरण क्षेत्र में जमीन खरीदने की दर एयरपोर्ट के समान करने की सैद्धांतिक सहमति बन गई है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के गांवों के किसानों को 64.07 प्रतिशत का अतिरिक्त मुआवजा नहीं मिल पा रहा था। किसान अदालत चले गए थे। अदालत में केस लंबित होने के बाद मुआवजा देने में दिक्कत आ रही थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 26 मई को प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के ग्राम उस्मानपुर, धनौरी, कादरपुर, रुस्तमपुर, डूंगरपुर रीलखा, रामपुर बांगर, पचोकरा व अच्छेजा बुजुर्ग की 80 प्रतिशत से अधिक याचिकाओं को निरस्त कर दिया। इन गांवों में 80 प्रतिशत से अधिक याचिकाएं वापस होने से अतिरिक्त प्रतिकर देने का रास्ता साफ हो गया। यमुना प्राधिकरण ने रुस्तमपुर, पचोकरा, मोहम्मदपुर गुजर, अच्छेजा बुजुर्ग, औरंगपुर, आच्छेपुर,

भट्टा, अट्टा गुजरान, डूंगरपुर रीलका, खेरली भाव, धनौरी, मूंजखेड़ा, गुनपुरा, फतेहपुर अट्टा, दनकौर, जगनपुर अफजलपुर, मिर्जापुर के गांवों के किसानों की लीज बैक की कार्रवाई की गई। 17 ग्रामों के लीज बैक के 205 प्रकरणों को प्राधिकरण बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बोर्ड ने प्रस्तुत प्रस्ताव का पुन परीक्षण कर आगामी बोर्ड बैठक में लाने के लिए कहा। 11 जुलाई को प्रस्तावित बोर्ड बैठक में यह प्रस्ताव पास होने की उम्मीद है।

जमीन खरीद दर समान करने के लिए शासन को भेजेंगे प्रस्ताव-यमुना प्राधिकरण की पिछली बोर्ड बैठक में जेवर एयरपोर्ट से लगे औद्योगिक सेक्टर एवं एयरपोर्ट के नार्थ, ईस्ट तथा वेस्ट साइट से पेरिफेरल रोड के निर्माण के लिए जमीन खरीदने की दर 3100 रुपये मीटर तय की गई थी। अगर कोई सात प्रतिशत आबादी का भूखंड लेता है तो यह दर 2728 रुपये होगी। यही दर एयरपोर्ट के लिए भी है। इसके बाद क्षेत्र के किसानों द्वारा प्राधिकरण क्षेत्र में एक समान भूमि क्रय दर की मांग की जा रही है। किसानों द्वारा कम दरों पर भूमि देने से इनकार किया जा रहा है। इससे जमीन मिलने में दिक्कत आ रही है। प्राधिकरण ने प्रस्ताव रखा कि यमुना प्राधिकरण के गौतमबुद्ध नगर जिले के गांवों में एक समान जमीन दर कर दी जाए। प्राधिकरण बोर्ड ने कहा कि यह प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। शासन से अनुमोदन के बाद लागू किया जाएगा।

अखंड भारत की अंतर्ध्वनि के मध्य सुलगता मणिपुर?

तनवीर जाफरी

मणिपुर में जारी इसी हिंसा के दौरान गत 18 जून को प्रधानमंत्री ने जनता से इकतरफा संवाद का अपना कार्यक्रम मन की बात पेश किया। मणिपुर में कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने इस अवसर पर मन की बात प्रसारित करते हुये सैकड़ों ट्रांजिस्टर,रेडिओ व मोबाइल को सड़कों पर तोड़ कर प्रधानमंत्री के पसंदीदा कार्यक्रम मन की बात के प्रति अपना रोष जताया।

विगत लगभग दो महीने से भारत का प्रमुख पुर्वोत्तरीय सीमावर्ती राज्य मणिपुर हिंसा की अभूतपूर्व आग में जल रहा है। यहां फैली अराजकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई सेनाधिकारी मणिपुर की तुलना सीरिया, लेबनान व नाइजीरिया जैसे अशांत देशों के हालात से कर रहे हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के एक केंद्रीय मंत्री,मणिपुर राज्य की भाजपा सरकार के राज्य मंत्री ,भाजपा के कार्यालय और भाजपा विधायकों के घर उपद्रवियों द्वारा आग के हवाले किये जा चुके हैं। खबरों के अनुसार एक हजार से अधिक घर फूंके जा चुके हैं जबकि 30 हजार से भी ज्यादा लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हो चुके हैं। स्थानीय मैतीय व जनजातीय कुकी समुदाय के बीच एसटी का दर्जा दिए जाने को लेकर आये एक अदालती फैसले के बाद छिड़ी हिंसा इस स्तर तक पहुँच गयी कि वहां सत्ता से लेकर शासन प्रशासन ,पुलिस आदि सभी जगहों पर जातीय स्तर पर विभाजन की रेखायें खिंच गयी हैं। खबरें तो यहाँ तक हैं कि सुरक्षा बलों व पुलिस ने अपनी अपनी जातियों के लोगों को संवेदनशील हथियार तक बाँट दिए हैं। कुछ चतुर राजनीतिज्ञ व विश्लेषक इस हिंसा को हिन्दू व ईसाई संघर्ष के रूप में भी परभाषित कर रहे हैं और ईसाई मिशनरी द्वारा कथित तौर पर कराये जाने वाले धर्मांतरण को इस हिंसा का कारण बता रहे हैं। और इस तरह का विश्लेषण करने वाले लोग एक बार फिर पंडित नेहरू को वर्तमान मणिपुर संकट का जिम्मेदार बताने की कोशिश में भी जुट गए हैं। बहरहाल चीन व म्यांमार जैसे देशों के सीमावर्ती इस अशांत राज्य में अब तक दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने व तीन हजार से ज्यादा लोगों के जख़्मी होने का भी समाचार है।

परन्तु मणिपुर में तो डबल इंजन की सरकार है? केंद्र व राज्य दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी सत्तारूढ़ है? भाजपा तो स्वयं राज्य के विकास के लिये डबल इंजन की सरकार यहाँ तक कि भाजपा स्थानीय स्वायत शासन,जिला परिषद् व नगर निगम /पालिकाओं के चुनाव में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की अपील जनता से यही बताकर करती है कि एक ही पार्टी की सरकारों से विकास होगा,कानून व्यवस्था सुधरेगी आम लोगों की सभी जरूरतें पूरी होंगी आदि। फिर क्या वजह है कि मणिपुर इतना जलने लगा कि उस की तुलना सीरिया, लेबनान व नाइजीरिया जैसे देशों के हालात से की जाने लगी ? पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर को जलता हुआ छोड़कर अमेरिका का दौरा किया। वहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग के द्वारा विश्वशांति स्थापित करने की बात की। प्रधानमंत्री द्वारा विश्वशांति की बातें करने से पहले क्या अपने ही देश के राज्य मणिपुर में शांति की अपील जरूरी नहीं थी ? गौरतलब है कि 10 जून से ही भाजपा सहित राज्य के सभी विपक्षी दलों के नेता प्रधानमंत्री से मणिपुर के हालात पर चर्चा करने हेतु उनसे मिलने का समय मांग रहे थे। परन्तु वह बिना किसी से मिले व मणिपुर के लिये कोई सन्देश दिये बिना ही मणिपुर को जलता छोड़ अपनी अमेरिका यात्रा पर चले गये।

यह भी देखा गया है कि यदि ऑस्ट्रेलिया अथवा कनाडा में किसी मंदिर पर हमले के खबर आती है तो सरकार की ओर से अपना विरोध दर्ज कराया जाता है। इसी वर्ष मार्च में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर थे तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के साथ हुई अपनी द्विपक्षीय वार्ता के दौरान ऑस्ट्रेलिया में गत दिनों हिंदू मंदिरों पर हुए हमले का मुद्दा उठाया था। पीएम मोदी ने स्वयं कहा था कि - मैंने ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले की रिपोर्ट देखी है। मैंने इस मुदे को प्रधानमंत्री अल्बानीज के सामने उठाया। उन्होंने मुझे भरोसा दिलाया है कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई उनकी प्राथमिकता है। ऐसे में मणिपुर के लोगों का यह सवाल क्या स्वाभाविक नहीं कि जब भारतीय राज्य मणिपुर में कथित तौर पर 600 से अधिक चर्च व मंदिर जलाये व तोड़े जा चुके हों इन हालात में क्या प्रधानमंत्री द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री को तलब नहीं करना चाहिये ? क्या उन्हें राज्य की जनता से शांति की अपील नहीं करनी चाहिये ? कितना दुखद है कि राज्य में हिंसा शुरू होने के 26 दिनों बाद गृह मंत्री द्वारा राज्य का दौरा किया गया । वे वहाँ तीन दिन रुके भी। परन्तु स्थिति नियंत्रित होने के बजाये हिंसा और भी बढ़ गयी। पूरा राज्य बंद ,ब्लॉकेड ,प्रदर्शन ,भीड़ तंत्र,आगजनी ,लूट ,हिंसा व रक्तपात की भेंट चढ़ गया।

मणिपुर में जारी इसी हिंसा के दौरान गत 18 जून को प्रधानमंत्री ने जनता से इकतरफा संवाद का अपना कार्यक्रम मन की बात पेश किया। मणिपुर में कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने इस अवसर पर मन की बात प्रसारित करते हुये सैकड़ों ट्रांजिस्टर,रेडिओ व मोबाइल को सड़कों पर तोड़ कर प्रधानमंत्री के पसंदीदा कार्यक्रम मन की बात के प्रति अपना रोष जताया। उधर प्रधानमंत्री ने भी मन की बात में मणिपुर हिंसा का कोई जिक्र करना या मणिपुर की जनता से शांति की अपील करना तक मुनासिब नहीं समझा। जबकि कांग्रेस नेता सोनिया गाँधी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेताओं द्वारा राज्य की जनता से शांति की अपील भी की गयी। मणिपुर की डबल इंजन की सरकार के मुखिया भाजपा नेता मुख्यमंत्री बीरेन सिंह स्वयं यह स्वीकार कह चुके हैं कि राज्य में फैली हिंसा इंटेलिजेंस व सुरक्षा एजेंसियों की नाकामी का परिणाम है। परन्तु मुख्यमंत्री की इस स्वीकारोक्ति के बावजूद केंद्र सरकार राज्य की सरकार को बर्खास्त करने व राष्ट्रपति शासन लगाने में अपनी तौहीन समझ रही है। हां गृह मंत्री अमितशाह ने गत 24 जून को मणिपुर के विषय पर एक सर्वदलीय बैठक जरूर बुलाई। इस बैठक में जहां सरकार की ओर से उठाए गये कदमों की जानकारी दी गयी वहीं विपक्षी दलों ने यह मांग की कि मणिपुर के वास्तविक हालात को समझने के लिये एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल मणिपुर भेजा जाना चाहिए।

इन परिस्थितियों में यह सवाल भी स्वभाविक है कि यदि यही स्थिति बंगाल में होती तो क्या केंद्र सरकार ममता बनर्जी को चैन से बैठने देती ? जोकि राज्य के पंचायत चुनावों पर राजभवन के माध्यम से पूरी निगरानी रख रही है ? यदि इसी तरह सरकारी शस्त्र कश्मीर,केरल या बंगाल में उपद्रवियों के हाथ लग गये होते तो सरकार सहित इस समय जलते मणिपुर पर चुप्पी साधे बैठा देश का गोदी मीडिया कितना विलाप कर रहा होता ? दरअसल मणिपुर की हिंसा मैतेई और कुकी समुदायों की जंग नहीं बल्कि भाजपा की नीतियों व मुख्यमंत्री की नाकामियों का परिणाम है। कहीं ऐसा न हो कि यह हिंसा राज्य के नागा व दूसरे समुदायों में व शेष पूर्वोत्तर राज्यों में न फैल जाये। यदि केवल सत्ता के लिए यहां भी बहुसंख्यवाद का खेल खेलने की कोशिश की जा रही है तो यह इस सीमावर्ती राज्य के लिये ही नहीं बल्कि पूरे पूर्वोत्तर के लिये खतरनाक साबित होगा। सरकार की पहली जिम्मेदारी है कि राज्य में परस्पर विश्वास बहाली स्थापित करे, राज्य से लगती सभी सीमाओं को सील करे। लोगों को निःशस्त्र करे और लूटे व बांटे गये हथियारों को वापस ले। राज्य की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाये और कानून व्यवस्था सेना के हवाले करे। और यह स्वीकार करे कि उसका डबल इंजन फामूर्ला पूरी तरह फेल साबित हुआ है। अन्यथा देश में सुनाई दे रही अखंड भारत की अंतर्ध्वनि के मध्य सुलगता हुआ मणिपुर सरकार की मंशा और उसकी हकीकत को साफ परिलक्षित कर रहा है।

संपादकीय

विपक्षी लामबंदी

ऐसे वक्त में जब आम चुनाव के लिये एक साल से भी कम समय बचा है, राजग का विकल्प बनाने की कोशिशें सिरे चढ़ाने की पहल शुरू हुई है। पटना में नीतीश कुमार की पहल पर जुटे एक दर्जन से अधिक विपक्षी दलों की उपस्थिति को विपक्षी एकता की दिशा में सकारात्मक कदम ही कहा जाएगा। इस बैठक में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को हटाने के साझा लक्ष्य पर विचार-मंथन हुआ। वैसे साल 2014 व 2019 के लोकसभा चुनावों में प्रचंड जीत दर्ज करने वाली भाजपा को हटाना इतना आसान भी नहीं है, क्योंकि विपक्षी पार्टियों खासकर कांग्रेस की ताकत अभी के कुछ वर्षों में कम हुई है। हालांकि, हाल के वर्षों में पहली बार कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल पटना में जुटे, लेकिन मतभेद-मनभेद दूर करने के लिये अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। खासकर दिल्ली सरकार की शक्तियों पर केंद्र सरकार के अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी में मतभेद बने हुए हैं। जिसे विपक्षी एकता के प्रयासों को लेकर अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। जिसका आम जनता में अच्छा संदेश तो कदापि नहीं जाएगा। इसके साथ ही मतदाताओं में विश्वास पैदा करने के लिये कई जटिल मुद्दों को अभी सुलझाने की जरूरत होगी। बहरहाल, अभी विपक्षी एकता की कोशिशें शुरू हुई हैं और विभिन्न राजनीतिक दलों को लेकर राज्यों में सामंजस्य बैठाने की जरूरत होगी। विपक्षी साझेदारी को व्यावहारिक बनाने की भी जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि देश में स्वस्थ लोकतंत्र के लिये मजबूत विपक्ष अपरिहार्य ही है। यदि देश में विपक्ष मजबूत होगा तो सत्ता पक्ष के निरंकुश व्यवहार पर अंकुश लगाने की कोशिशें सिरे चढ़ सकेंगी। कह सकते हैं कि विपक्षी एकजुटता के लिये अभी कई परीक्षाएं शेष हैं। यह भी हकीकत है कि पटना बैठक में कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आए। लेकिन आगे संवाद की स्थिति बनी रहने की जरूरत पर बल दिया गया। अगली बैठक का शिमला में आयोजित किया जाना विपक्ष की एकता की इन्हीं कोशिशों का ही विस्तार है।

हालांकि, पटना बैठक में केंद्र सरकार के अध्यादेश के विरोध के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी व कांग्रेस पार्टी में सहमति नहीं बन सकी, लेकिन इससे एकता के प्रयासों को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। हमें स्वीकारना होगा कि कुछ माह पूर्व तक एकता की ऐसी स्थिति नजर नहीं आ रही थी। साथ ही कांग्रेस की भूमिका को लेकर भी तमाम विपक्षी दल सहमत नहीं थे। तब विपक्षी एकता की बजाय तीसरा मोर्चा बनाने की बात कही जा रही थी। देर-सवेर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयास रंग लाते नजर आ रहे हैं। यही वजह थी कि यह बैठक गैर कांग्रेस शासित विपक्षी राज्य में आयोजित की गई। अब इसी कड़ी में दूसरी बैठक कांग्रेस शासित राज्य हिमाचल में आयोजित करने का फैसला किया गया है। निस्संदेह, इस आयोजन में कांग्रेस पार्टी की बड़ी भूमिका रहने वाली है। यह आने वाला वक्त बतायेगा कि विपक्षी क्षत्रप किस सीमा तक एकता के प्रयासों में कांग्रेस की भूमिका स्वीकार करते हैं। साथ ही यह भी कि तमाम विरोधाभासों के साथ देश में सीटों के बंटवारे का कोई सर्वमान्य फार्मूला तय हो पाता है कि नहीं। जाहिर है एकता के प्रयासों के बीच समय-समय पर कई अन्य विवादित मुद्दे सामने आएंगे। भाजपा भी अपने सारे पत्ते विपक्षी एकता के मुकाबले के लिये खेलेगी। निश्चित रूप से केंद्र सरकार में होने का अतिरिक्त लाभ भाजपा को मिलेगा। विगत में भी विपक्ष का आरोप रहा है कि केंद्र सरकारी एजेंसियों का प्रयोग विपक्ष को कमजोर करने के लिये कर रहा है। यह विपक्षी एकता के सूत्रधारों पर निर्भर करेगा कि वे आने वाले समय में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से कितनी कुशलता से निबट पाएंगे। यह भी कि एकता के प्रयास आम चुनाव से पहले तक किस हद तक मूर्त रूप ले पाते हैं। बहरहाल, किसी जीवंत लोकतंत्र के भविष्य के लिये सशक्त विपक्ष का होना वक्त की मांग जरूर है।

चिंतन-मनन

आशा निराशा

एक मछुआरा था । उस दिन सुबह से शाम तक नदी में जाल डालकर मछलियाँ पकड़ने की कोशिश करता रहा , लेकिन एक भी मछली जाल में न फँसी। जैसे -जैसे सूरज डूबने लगा, उसकी निराशा गहरी होती गयी । भगवान का नाम लेकर उसने एक बार और जाल डाला । पर इस बार भी वह असफल रहा। पर एक वजनी पोटली उसके जाल में अटकी । मछुआरे ने पोटली निकला और टटोला तो झुंझला गया और बोला - हाय ये तो पत्थर है ! फिर मन मारकर वह नाव में चढा।

बहुत निराशा के साथ कुछ सोचते हुए वह अपने नाव को आगे बढ़ता जा रहा था और मन में आगे के योजनाओं के बारे में सोचता चला जा रहा था । सोच रहा था कल दुसरे किनारे पर जाल डालूँगा। सबसे छिपकर ...उधर कोई नही जाता ....वहां बहुत सारी मछलियाँ पकड़ी जा सकती है ... ।

मन चंचल था तो फिर हाथ कैसे स्थिर रहता ? वह एक हाथ से उस पोटली के पत्थर को एक -एक करके नदी में फेंकता जा रहा था । पोटली खाली हो गयी । जब एक पत्थर बचा था तो अनायास ही उसकी नजर उसपर गयी तो वह स्तब्ध रह गया । उसे अपने आँखों पर यकीन नही हो रहा था , यह क्या ! ये तो नीलम था । मछुआरे के पास अब पछताने के अलावा कुछ नही बचा था . नदी के बीचोबीच अपनी नाव में बैठा वह सिर्फ अब अपने को कोस रहा था । प्रकृति और प्रारब्ध ऐसे ही न जाने कितने नीलम हमारी झोली में डालता रहता है जिन्हें पत्थर समझ हम ढुकरा देते हैं।

3000 बूथ वर्कर को मास्टर ट्रेनिंग

सनत जैन

मेरा बूथ सबसे मजबूत बूथ, कार्यक्रम के संवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। मध्य प्रदेश में 3000 बूथ वर्कर को मास्टर ट्रेनिंग दी जा रही है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करके देशभर में इन्हें चुनाव के समय बूथ प्रबंधन के कार्य में लगाया जाएगा। समय-समय पर उन्हें देश के अन्य हिस्सों में भी भेजा जाएगा। विधानसभा और लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए इन्हें प्रशिक्षण दिया गया है। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्तर का कैडर तैयार कर रही है। जो केवल बूथ मैनेजमेंट को लेकर काम करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पहले बैच के प्रशिक्षकों को राजनीति के गुण और बूथ मे किस तरीके के प्रबंधन से चुनाव जीता जा सकता है। इसके बारे में उन्हें बताया। प्रधानमंत्री मोदी से प्रशिक्षकों ने सवाल किए,और प्रधानमंत्री मोदी ने जवाब भी दिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें क्या सिखाया गया है,इसके बारे में भी प्रधानमंत्री ने जानकारी ली। भोपाल में चल रहे बूथ वर्कर सम्मेलन की अहमियत राष्ट्रव्यापी है। भारत के सभी विधानसभाओं के एक-एक प्रतिनिधि को भोपाल लाया गया है। हर विधानसभा क्षेत्र में एक प्रशिक्षित बूथ वर्कर होगा। जो चुनाव के दौरान बूथ प्रबंधन के काम को संभालेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं।

इससे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्व और भी बढ़ गया है। देशभर से बूथ वर्कर मास्टर ट्रेनिंग लेने भोपाल पहुंचे हैं। उनसे प्रधानमंत्री ने देश भर का इनपुट लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बूथ स्तर पर, प्रशिक्षक को समाज के सभी वर्गों के लोगों से जुड़कर और उनके हर काम और हर समस्या में लगातार सहायता करने से, किस तरह से उनके बीच में अपना प्रभाव बढ़ाया जा सकता है। इसका गुरु मंत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। चुनाव के दौरान प्रशिक्षित बूथ वर्कर को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ इनका राष्ट्रीय प्रादेशिक स्तर पर बड़ा महत्त्व होगा। प्रधानमंत्री मोदी का जादू,विधान सभा और लोकसभा के चुनाव में प्रशिक्षित बूथ वर्कर प्रत्येक राज्य में भाजपा को चुनाव जिताने में बड़े सहायक सिद्ध होंगे। ऐसा कहा जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। ऐसी स्थिति में उसने व्यवसायिक और प्रबंधन के तौर तरीकों को अपनाते हुए विभिन्न स्तर पर कैडर बनाना शुरू कर दिया हैं। भारतीय जनता पार्टी जो भी चुनाव लड़ती हैं। उसकी पहले से ही सभी तैयारियां करती है। हर मुद्दे पर क्या करना है। इसका निर्धारण कई महीने पहले हो जाता है। जिसके कारण भाजपा बड़े व्यवस्थित रूप से चुनाव लड़ पाती है। चुनाव परिणाम भी बेहतर लेकर आती है। देश के 35 विधानसभा क्षेत्र से एक बूथ वर्कर बुलाए गए हैं। निश्चित रूप से इनके प्रशिक्षण के बाद,यह साम दाम दंड भेद की सारी कलाओं से परिचित होने के कारण भाजपा को चुनाव में विजयी बनाने के लिए काम करेंगे। भारतीय प्रशासनिक सेवा की तरह अब यह भाजपा का बूथ वर्कर कैडर राष्ट्रीय स्तर पर तैयार किया जा रहा है। जो हर समय अपनी जिम्मेदारी और समझ के साथ चुनाव प्रबंधन का काम लोकसभा और विधानसभा के चुनाव के दौरान करेंगे।

पंचायत चुनाव : हिंसा की सियासत

शंकर जालानी

पंचायत राज की स्थापना का सीधा-सीधा मतलब था कि हर वर्ग और हर व्यक्ति को न केवल सरकारी योजनाओं का ज्ञान रहे, बल्कि लाभ भी मिले।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए पंचायत राज को बढ़ावा दिया गया कि व्यक्ति पंचायत प्रमुख या पंचायत प्रधान के जरिए अपनी दिक्कतों को सरकार तक पहुंचा सके, लेकिन कालक्रम में ज्यों-ज्यों राजनीति में असामाजिक तत्वों का बोलबाला बढ़ा और राजनेताओं के प्रति जनता का विश्वास कम हुआ त्यों-त्यों राजनीति में हिंसा का चलन बढ़ता गया। चाहे कोई नेता हो या दल, चुनाव जीतने के लिए मुद्दों नहीं, मारपीट का सहारा ले रहा है। हिंसक वारदातों को जायज नहीं ठहराया जा सकता। इस मामले में कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं है। नेता को जीत चाहिए और दल को सत्ता। इसके लिए वह सब कुछ कर गुजरने को तैयार हैं।

ताजा उदाहरण पश्चिम बंगाल का है, जहां अगले महीने (8 जुलाई) त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होना है, इसके लिए नामांकन और नाम वापस लेने की प्रक्रिया भले ही पूरी यानी रु क गई हो, लेकिन हिंसा रु कने का नाम नहीं ले रही है। सूबे के विभिन्न जिलों से रोजाना हिंसक घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। सरकारी तौर पर सात लोग की मौत हुई है और दर्जनों जख्मी बताए जा रहे, इन घटनाओं पर किस प्रकार अंकुश लगे, इस पर विचार करने की बजाए सभी नेता और दल एक-दूसरे पर आरोप लगाने पर व्यस्त दिख रहे हैं। बंगाल में जिला परिषद, ग्राम पंचायत और पंचायत समितियों के लिए आठ जुलाई को मतदान और 11 जुलाई को मतगणना होगी, लेकिन इसे अचरज कहें या अराजकता कि 12 फीसद यानी नौ हजार से कुछ ज्यादा सीटों पर सभी दलों (तृणमूल, भाजपा, माकपा और कांग्रेस) समेत निर्दलीय ने जीत हासिल कर ली है।

इस गणित से यह साफ हो जाता है कि अगले महीने होने वाला त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कितना निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होने वाला है। नामांकन और नाम वापसी की समय-सीमा पूरी होते ही जैसे ही राज्य चुनाव आयोग ने यह बताया कि 9009 सीटों पर निर्दलीय समेत तमाम दलों ने जीत हासिल कर ली है। आम आदमी तो क्या कलकत्ता उच्च न्यायालय में अचंभित रह गया और इस बाबत हलफनामा दायर करने को कहा। विपक्ष शुरू से ही चुनाव में गड़बड़ी की आशंका जताता रहा है, इस बाबत उच्च न्यायालय ने भी विपक्ष की बातों को सही मानते हुए केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया, जिसके खिलाफ राज्य चुनाव आयोग और राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखाया, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने भी उच्च न्यायालय के आदेश पर मुहर लगाई।

अब केंद्रीय बलों के जवान हिंसा पीड़ित इलाकों का दौरा कर लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रहे हैं, आठ जुलाई को निर्भय होकर अपनी मर्जी से अपने पसंदीदा उम्मीदवार को वोट दें, इस बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और राज्य की मुख्यमंत्री डंके की चोट पर कह रही हैं कि चाहे जितने केंद्रीय बल आ जाए, जीत हर हाल में हमारी यानी तृणमूल कांग्रेस की ही होगी।

सवाल यह उठता है कि मतदान के पहले ममता इस तरह का दावा कैसे और किस आधार पर कर सकती हैं?

उनके दावे में इतना दम है तो फिर केंद्रीय बलों की तैनाती से डर क्यों रही हैं? सूबे में यह पहला मौका नहीं है, जब केंद्रीय बलों की तैनाती में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं, इससे पहले 2013 में भी पंचायत चुनाव के दौरान भी केंद्रीय बलों की तैनाती हुई थी और तृणमूल कांग्रेस जीती थी। शायद इस बार ममता अंदर से भयभीत हैं, क्योंकि नाना प्रकार के भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरने, सीबीआई व ईडी के जाल में फंसी होने और कांग्रेस व वाममोर्चा की लोकप्रियता में हुई कुछ बढ़ोतरी के कारण तृणमूल खेमे की नींद उड़ी हुई है। इसके अलावा, मुख्य विपक्षी दल भाजपा से मिल रही कड़ी टक्कर मिल रही है।

आगामी 8 जुलाई को 73,887 सीटों के लिए होने वाले मतदान से पहले 9009 उम्मीदवारों ने बिना प्रतिद्वंदिता के निर्विरोध जीत हासिल कर ली। राज्य चुनाव आयोग ने जिलावार ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद के सीटों पर निर्विरोध जीत की सूची जारी की। सूची के तहत ग्राम पंचायत के 63,229 सीटों में से 8,002 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की, जबकी पंचायत समिति के 9,730 सीटों में से 991 उम्मीदवार बिना प्रतिद्वंदिता के जीत गए। जिला परिषद की कुल 928 सीटों में से 16 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत दर्ज की।

पंचायत समिति में सबसे अधिक दक्षिण चौबीस परगना की 6,383 सीटों में से 1,767 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की। अलीपुरद्वार में सबसे कम 1,252 सीटों में से 8 सीटों पर उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। पंचायत समिति में भी सबसे अधिक संख्या में जीत दर्ज करने वाले उम्मीदवार भी दक्षिण चौबीस परगना जिले के हैं। जहां 926 पंचायत समिति सीटों पर 233 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की। कालिम्पांग और पुरु लिया के 76 और 496 सीटों में एक-एक उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। जिला परिषद में बीरभूम और कूचबिहार की एक-एक सीट, उत्तर चौबीस परगना की 3 सीट, दक्षिण चौबीस परगना की 8 सीट और उत्तर दिनाजपुर की 3 सीट पर उम्मीदवारों ने बिना प्रतिद्वंदिता की जीत हासिल की है।

विजय के साथ इंटीमेट सीन करेगी तमन्ना

एक्ट्रेस ने बताई लस्ट स्टोरीज 2 की वो बात

फिल्म लस्ट स्टोरीज़ 2 में तमन्ना भाटिया विजय के साथ इंटीमेट सीन करती नजर आएंगी। तमन्ना आजकल विजय वर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चे में हैं और दूसरा कारण है उनकी आने वाली फिल्म लस्ट स्टोरीज 2 ।हाल ही में तमन्ना ने इंडस्ट्री में खुद को साबित करने की बात कही थी। साथ ही एक्ट्रेस ने अपने करियर में लंबे समय तक इंटीमेट सीन न करने और आखिरकार इसके लिए तैयार होने की भी बात कही।

तमन्ना भाटिया ने इंटीमेट सीन्स से जुड़ी बातें की और बताया कि कैसे वह स्क्रीन पर कुछ भी न करने की मानसिकता से बाहर निकलने में कामयाब रहीं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि जब 2018 में लस्ट स्टोरीज़ सामने आई तो वह उसकी बहुत बड़ी फैन थीं। उन्होंने कहा कि एक एक्टर के लिए उस तरह की सुरक्षा महसूस करना बहुत जरूरी है। उसी पल से, विजय वर्मा ने उन्हें सेफ महसूस कराया कि वह कुछ भी कहने, कुछ करने या एक तरीका बताने से डरती नहीं थी। तमन्ना ने आगे कहा कि विजय ने इसे इतना आसान बना दिया और यह कुछ ऐसा है जो उन्हें उनके बारे में पसंद है।

उन्होंने कहा, मेरे जैसे एक्टर के लिए, क्योंकि मैंने बहुत तरह के सिनेमा किए हैं, मैं सबसे पहले लस्ट स्टोरीज़ 2 की फैन हूं। इसने मुझे वास्तव में एक फीमेल एक्टर के रूप में दिखाया, जैसी कहानियां लोग देखना चाहते हैं। इसे करने में शर्म धीरे-धीरे दूर हो रही है क्योंकि हम समय के साथ आगे बढ़ रहे हैं और हर कोई डेवलप हो रहा है। तो, मैं वह पहली दर्शक थी जिसने इसे पसंद किया। मुझे बहुत मज़ा आया। मुझे याद है कि मेरे जानने वाले सभी लोगों ने इसे देखा था और सभी को ये पसंद आई थी।

एक्टिंग के शुरुआती दौर में क्या-क्या झेलना पड़ा शोभिता को

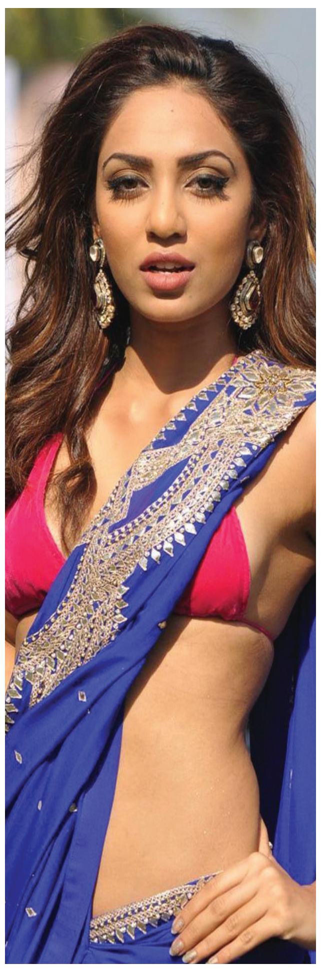

अदाकारा शोभिता धुलिपाला ने साल 2016 में आई थ्रिलर फिल्म रमन राघव 2.0 से बी टाउन में तहलका मचा दिया था। अपने हुस्न के कारण एक्ट्रेस आज भी चर्चा का केंद्र बनी रहती हैं। मगर एक बार उनको मुंह पर ही रिजेक्शन का चांटा मारा दिया गया था।

इस बात का खुलासा उन्होंने एक इंटरव्यू में किया है। इंटरव्यू में शोभिता धुलिपाला ने बताया कि एक्टिंग के शुरुआती दौर में उनको क्या-क्या झेलना पड़ा। उन्होंने खुलासा किया कि जब वो एक विज्ञापन के ऑडिशन के लिए गई थीं। तब कैसे लोगों ने उनके स्किन टोन पर कमेंट किया था। उन्हें ये बात अच्छी नहीं लगी थी लेकिन उन्होंने काम करना बंद नहीं किया।

एक्ट्रेस ने बताया, जब आप कोई चीज शुरू करते हो तो सबकुछ एक जंग होती है। मैं फिल्मों से नहीं थी। मुझे याद है कि कि जब मैं एक एड का ऑडिशन देने गई थी तो मुझे कई बार बोला गया कि आप गोरी नहीं हैं। ऐसी चीजें थीं जो आप एड लेवल पर देखते हैं, जहां मुझे मेरे चेहरे पर बोला गया था कि मैं उतनी सुंदर नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मैं निराश थी ।शोभिता ने आगे बताया कि उन्हें लोगों ने घटिया कमेंट भी किया, जिससे उन्हें इन्सल्टेड फील हुआ। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में एहसास हुआ कि लोगों का सुंदरता के प्रति नजरिया बहुत छोटा और एकतरफा है।

हालांकि इन सब बातों से उन पर कोई असर नहीं हुआ। वह इंडस्ट्री में काम करती रहीं और आगे बढ़ती रहीं। उन्होंने अपनी एक्टिंग स्किल्स पर ध्यान दिया। न कि सुंदरता पर। और आज सब उन्हें उनकी उसी स्किल्स के लिए जानते-पहचानते हैं। बता दें कि 30 जून को ओटीटी पर रिलीज होने वाली द नाइट मैनेजर सीजन 2 में शोभिता धूलिपाला एक बार फिर चार चांद लगाने के लिए बेताब हैं। वो अपने शानदार अभिनय के लिए तो जानी जाती ही हैं। उससे पहले उन्होंने 2013 में मिस इंडिया अर्थ का खिताब भी अपने नाम किया हुआ है।

मैं बॉलीवुड में बिलॉन्ग करता हूं: अनिल कपूर

बॉलीवुड में 40 साल पूरे करने पर अभिनेता अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के एक दृश्य का वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन दिया, आज एक एक्टर और इंटरटेनर के रूप में मेरे 40 साल पूरे हो गए। दर्शकों, आपकी स्वीकृति, प्यार और आशीर्वाद के 40 साल पूरे हो गए। उन्होंने लिखा, वे कहते हैं कि जब आप कुछ ऐसा कर रहे होते हैं जो आपको पसंद है, तो समय यूं ही निकल जाता है.. कोई आश्चर्य नहीं कि चार दशक पलक झपकने जैसा लगता है। मैं यहां बिलॉन्ग करता हूं, मुझे यही करना है और मुझे यही बनना चाहिए। उन्हें बड़ा बनाने में सहायता करने वालों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने लिखा- इतने सारे लोगों ने मुझे जीवन में इस मुकाम तक पहुंचने में मदद की है, लेकिन मैं विशेष रूप से दिवंगत बापू साहब, मेरे भाई बोनी कपूर और मेरे पिता

सुरिंदर कपूर को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और वो7दिन में मुझे पहला मौका दिया.. मैं एक नवागंतुक का स्वागत करने में उनकी कृपा के लिए नसीरुद्दीन और पद्मिनी कोल्हापुरी का भी सदैव आभारी हूं। उन्होंने कहा, उनके स्टारडम ने मुझे उम्मीद से कहीं अधिक चमकाया। आज मैं जो कुछ भी हूं उसका श्रेय इन दिग्गजों और आप सभी से मिले प्यार और स्वीकृति को जाता है।

आलिया और रणवीर कर रहे एक साथ काम

अपकमिंग फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में आलिया और रणवीर साथ काम कर रहे हैं। इसमें धर्मेंद्र, प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, जया बच्चन जैसे पॉपुलर स्टार भी शामिल हैं। फैंस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं। ऐसे में धर्मेंद्र ने आलिया भट्ट के साथ एक बेहद प्यारी फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है। फोटो में देखा जा सकता है कि आलिया ने धर्मेंद्र के कंधे पर हाथ रखा है, दोनों सर जोड़ कर कोई फोटो देख रहें हैं। एक्टर ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा 'दोस्तों, लविंग आलिया मुझे मेरे रोमांटिक अतीत की झलक दिखा रहीं है!रॉकी और रानी की प्रेम कहानी।' यह फोटो शायद फिल्म के किसी सीन से ली गई है। फैंस इस क्यूट फोटो पर खूब प्यार बरसा रहें हैं। बता दें कि करण जौहर की अपकमिंग फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

आई लव यू का प्रमोशन करेगी रकुलप्रित

बिग बॉस ओटीटी-2 के वीकेंड का वार एपिसोड में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपनी अपकमिंग फिल्म आई लव यू का प्रमोशन करने आएंगी। क्या रकुल प्रीत गेस्ट अपीयरेंस के तौर पर आएंगी, या वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान कंटेस्टेंट्स के साथ बातचीत करने के लिए एक स्पेशल गेस्ट के रूप में शामिल होंगी, फिलहाल, यह खुलासा नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा, मैं बिग बॉस ओटीटी पर पहले वीकेंड का वार का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। मैं शो की बहुत बड़ी फैन हूं और हमेशा वीकेंड एपिसोड देखने की कोशिश करती हूं! एक्ट्रेस ने कहा, मैं सभी कंटेस्टेंट्स से मिलने और सलमान सर के साथ समय बिताने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। सलमान सर को एक्शन में देखना बहुत मजेदार होने वाला है, और मैं स्पेशल ट्विस्ट के साथ वीकेंड के वार में आऊंगीबिग बॉस ओटीटी 2 और आई लव यू जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग हो रही है।

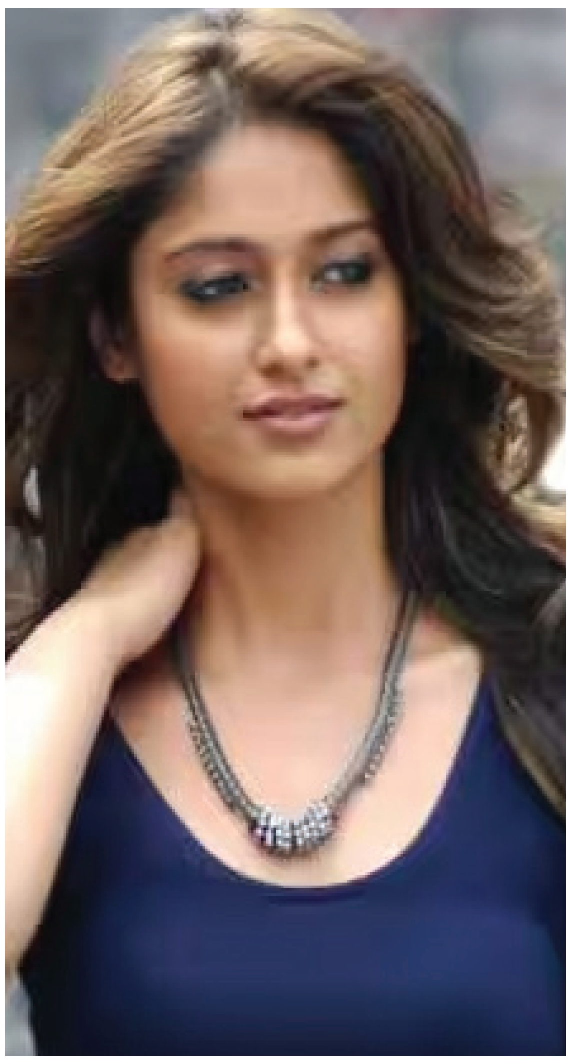

प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में आए बदलाव मुझे पसंद: इलियाना

एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने कहा कि उन्हें कभी-कभी अच्छा महसूस नहीं होता है, लेकिन उनका सपोर्ट सिस्टम, जो लोग उनसे प्यार करते हैं, वे उन्हें याद दिलाते रहते हैं कि मैं अपने अंदर एक छोटे इंसान को बना रही हूं। मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि जब आप प्रेग्नेंट होते हैं तो बहुत से लोग आपके वजन को लेकर कमेंट करते हैं। एक्ट्रेस ने प्रेग्नेंसी के दौरान अपने वजन बढ़ने के बारे में बात की। इलियाना इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनीथिंग सेशन में अपन फैंस के सवालों का जवाब दे रही थी। इलियाना ने कहा कि जब आप डॉक्टर के पास चेकअप के लिए जाते हैं तो उनसे भी कोई मदद नहीं मिलती है। उन्हें हर बार आपका वजन लेना पड़ता है इसलिए यह हर बार आपके दिमाग में रहता है। उन्होंने आगे कहा, मैं बस यह कहना चाहती हूं कि पिछले कुछ महीनों में मेरे शरीर में जो बदलाव आया है वह मुझे पसंद है। यह एक बहुत अद्भुत जर्नी है। और हां, मैं इंसान हूं और ऐसे भी दिन आते हैं जब आपको अच्छा महसूस नहीं होता, लेकिन मेरे पास कमाल का सपोर्ट सिस्टम और लोग हैं जो मुझे प्यार करते हैं और मुझे याद दिलाते हैं कि मैं अपने अंदर एक छोटे इंसान को बना रही हूं।

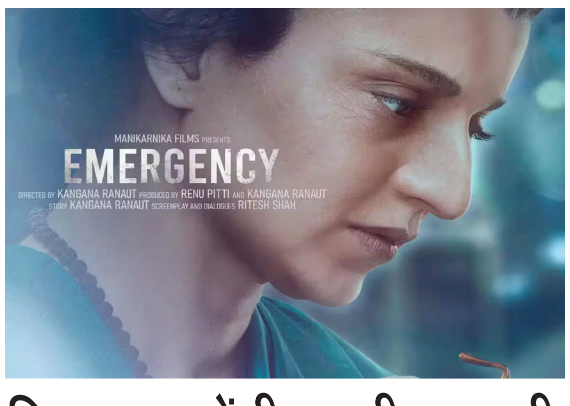

फिल्म इमरजेंसी का टीजर जारी

फिल्म इमरजेंसी का टीजर जारी किया गया है। यह फिल्म इसी साल 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इमरजेंसी का निर्देशन और निर्माण कंगना रनौत ने किया है, स्क्रीनप्ले रितेश शाह की है और कहानी कंगना की है। इसमें कंगना भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं। फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। एक्ट्रेस-फिल्ममेकर कंगना रनौत की इस फिल्म के बारे में बात करते हुए, कंगना ने कहा, इमरजेंसी हमारे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और काले अध्यायों में से एक है जिसे युवा भारत को जानना आवश्यक है। यह एक महत्वपूर्ण कहानी है और मैं अपने सुपर-टैलेंटेड एक्टर्स जैसे स्वर्गीय सतीश जी, अनुपम जी, श्रेयस, महिमा और मिलिंद को इस क्रिएटिव जर्नी को एक साथ शुरू करने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं भारत के इतिहास के इस असाधारण प्रसंग को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हूं।

विश्व कप 2023 के लिए शेड्यूल का ऐलान, 5 अक्टूबर को होगा आगाज, 15 को अहमदाबाद में भारत बनाम पाकिस्तान

मुम्बई (एजेंसी)। भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप 2023 के लिए शेड्यूल का ऐलान आईसीसी की ओर से कर दिया गया है। विश्व कप 5 अक्टूबर को शुरू होगा जिसमें अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड आपस में भिड़ेंगे। मेजबान भारत अपने पहले मुकाबले में 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा जबकि पाकिस्तान के खिलाफ रोमांचक मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगा। विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा में कई बार देरी हुई। जबकि विश्व कप 2019 और 2015 के कार्यक्रम की घोषणा एक साल पहले ही कर दी गई थी।

टूर्नामेंट के लिए अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और पुणे में होने वाले मैचों के साथ 10 स्थानों को अंतिम रूप दिया गया है। मेजबान भारत अपने सभी 9 मैच अलग-अलग स्थानों पर खेलेगा। हालांकि, हैदराबाद में मेन इन ब्लू के मुकाबले नहीं होंगे। चेन्नई और अहमदाबाद क्रमशः ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के खिलाफ बड़े मैचों की मेजबानी करेंगे। लखनऊ में गत चैंपियन इंग्लैंड भारत से भिड़ेगा वहीं, कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका और धर्मशाला में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। सेमीफाइनल क्रमशः 15 और 16 नवंबर को मुंबई और कोलकाता में खेले जाएंगे। फाइनल 19 नवंबर को अहमदाबाद में होगा।

इस मेगा इवेंट में कुल 10 टीमें भाग लेंगी, पहली आठ टीमें पहले ही क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग के माध्यम से क्वालीफाई कर चुकी हैं। अंतिम दो स्थान जिम्बाब्वे में क्वालीफायर टूर्नामेंट के अंत में निर्धारित किए जाएंगे, जो 9 जुलाई को समाप्त होगा। प्रत्येक टीम राउंड रॉबिन प्रारूप में अन्य नौ से खेलेगी, जिसमें शीर्ष चार नॉकआउट चरण और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाइंग होंगे। बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान मुकाबला रविवार 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाला है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हॉग ने सरफराज की उपेक्षा का कारण बताया

–शीर्ष स्तर के गेंदबाजों के सामने रहा है खराब रिकार्ड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हॉग ने वेस्टइंडीज दौरे पर जाने वाले भारतीय टीम में बल्लेबाज सरफराज खान को शामिल नहीं किये जाने के कारणों का खुलासा किया है। हॉग ने कहा कि सरफराज को इसलिए शामिल नहीं किया गया है क्योंकि शीर्ष स्तर के तेज गेंदबाजों के सामने उनका रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। हॉग के अनुसार सरफराज को टीम में जगह नहीं मिलने का कारण उनकी खराब फिटनेस बतायी जा रही है पर वास्तविकता ये है कि वह अच्छे तेज गेंदबाजों के सामने रन नहीं बना पाते हैं। इसी कारण घरेलू क्रिकेट में शतक और काफी रन बनाने के बाद भी उनकी उपेक्षा हो रही है। वहीं युवा यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ को टीम में जगह मिल गई है,

हॉग ने हालांकि कहा कि सरफराज अगले आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के बल पर टीम इंडिया में जगह बना लेंगे।

हॉग ने कहा, 'सरफराज रणजी ट्रॉफी में शानदार खेल दिखाते रहे हैं पर वह इसके बाद भी इस टीम में क?यों नहीं हैं। ये मैं जानता हूं कि।' वह मध्य क्रम में अपनी राज्य टीम के लिए नंबर 5 या 6 पर बल्लेबाजी करते हैं। इसी पर ध्यान देते हुए देखें तो बेहतर गुणवत्ता की तेज गेंदबाजी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड ठीक नहीं हैं। मुझे लगता है कि इसे मामले में सरफराज को लेकर भारतीय चयनकर्ता कुछ संशय में रहे हैं। यदि वह अगले आईपीएल सत्र में अपने प्रदर्शन में सुधार करते हैं तो मुझे विश्वास है कि वे टेस्ट स्तर पर भारतीय टीम में जगह पा सकेंगे। इस पूर्व स्पिनर का यह भी मानना है कि बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को टीम में नहीं चुने जाने का कारण उनकी बल्लेबाजी नहीं बल्कि कम स्ट्राइक रेट है। हॉग ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन चाहता है कि उसका शीर्ष क्रम आक्रामक अंदाज की क्रिकेट खेले और इसी कारण पुजारा को बाहर कर दिया गया।

दूसरे एशेज टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेंगी ऑस्ट्रेलिया: लाबुशेन

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने कहा कि कहा है कि बुधवार से शुरु हो रहे दूसरे एशेज टेस्ट में उनकी टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। लाबुशेन के अनुसार शुरुआती मुकाबले में उनके तेज गेंदबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया था। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को आने वाले मैचों में अपनी गेंदबाजी में सुधार कर मेजबान टीम को बड़े स्कोर बनाने से रोकना होगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले टेस्ट में इंग्लैंड को दो विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनायी हुई है। टीम के कई खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया पर लाबुशेन का मानना है कि तेज गेंदबाजों ने उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं किया।

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमने दूसरे दर्जे का प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि कुछ खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन किया जिसमें से बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा भी शामिल हैं। स्पिनर नाथन लियोन ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने कहा, 'आप ने हमारे सभी तेज गेंदबाजों को पिछले चार या पांच साल से गेंदबाजी करते हुए देखा है। यह निश्चित रूप से उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी नहीं थी फिर भी हमें जीत के लिए केवल 280 रनों का लक्ष्य मिला था। ऐसे में हम अब दूसरे मैच में सुधार करने की उम्मीद कर रहे हैं। लाबुशेन ने स्वीकार किया है कि इंग्लैंड के गेंदबाजों ने उनके बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया था। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हमें थोड़ा दबाव में डाल दिया पर कहा कि अंत में परिणाम ही अहम रहता है और उसमें हमे जीत मिली। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर कायम लाबुशेन पहले टेस्ट में अधिक रन नहीं बना पाये। उन्होंने मैच की दोनों पारियों में कुल मिलाकर शून्य और 13 रन ही बनाये थे।

विश्वकप क्वालिफायर में नीदरलैंड से मिली हार के साथ ही वेस्टइंडीज का विश्वकप से बाहर होना तय

–पूरन का शतक बेकार गया , होल्डर ने सुपर ओवर में दिये 30 रन

हरारे (एजेंसी)। नीदरलैंड ने एक बड़ा उलटफेर करते हुए दो बार की विश्वकप विजेता वेस्टइंडीज की टीम को आईसीसी विश्व कप क्वालिफायर के 18वें मुकाबले में हरा दिया।इस हार के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम का विश्वकप से बाहर होना करीब-करीब तय हो गया है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निकोलस पूरन के नाबाद शतक 104 रनों की सहायता से 50 ओवर में 374 रन बनाये। इस प्रकार नीदरलैंड को जीत के लिए 375 रनों का कठिन लक्ष्य दिया पर डच टीम ने तेजा निदामनुरू के 76 गेंदों पर 111 रनों की सहायता से 9 विकेट पर ही ये लक्ष्य हासिल कर सबको हैरान कर दिया। इसके बाद मैच सुपर ओवर तक गया, जहां वैन बीक ने जेसन होल्डर की गेंद पर 30 रन बनाकर मैच नीदरलैंड के कब्जे में ला दिया। वेस्टइंडीज टीम सुपर ओवर में आठ रन ही बना पायी और पांच गेंदों पर ही उसने अपने दोनों विकेट खो दिए। इसी के साथ विंडीज का इस बार एकदिवसीय विश्व कप से बाहर होना तय है।

वेस्टइंडीज टीम हालांकि किसी प्रकार सुपर-6 के लिए क्वॉलिफाई करने में तो सफल रही पर यहां वह शून्य अंक के साथ पहुंची है। उसने अपने ग्रुप से सुपर-6 में पहुंचने वाली जिम्बाब्वे या नीदरलैंड्स में किसी एक के खिलाफ भी जीत नहीं दर्ज की है। वहीं जिम्बाब्वे के 4 अंक हैं। दूसरे ग्रुप से श्रीलंका, स्कॉटलैंड और ओमान की टीमें सुपर-6 में पहुंची है।

गौरतलब है किसुपर-6 में शीर्ष-2 पर रहने वाली टीम विश्वकप के लिए क्वॉलिफाई करेगी। यदि वेस्टइंडीज अब इन तीनों को भी हरा देती है तो भी उसके 6 अंक ही होंगे। वहीं जिम्बाब्वे एक मैच जीतकर ही 6 अंकों तक पहुंच जाएगी। जिम्बाब्वे का रन रेट भी बेहतर है। इसके साथ ही श्रीलंका और स्कॉटलैंड में एक टीम 6 अंक के साथ सुपर सिक्स में पहुंचेगी। अगर जिम्बाब्वे सुपर सिक्स में दो मैच जीत जाती है तो वेस्टइंडीज विश्व कप से बाहर हो जाएगी।

भारत से पिछले 21 साल से टेस्ट सीरीज नहीं जीती है वेस्टइंडीज

जमैका ।भारत और वेस्टइंडीज टीम के बीच अगले माह से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी।इसमें भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है क्योंकि वेस्टइंडीज टीम भारत में पिछले 21 साल से नहीं जीती है।वेस्टइंडीज ने भारत में अंतिम बार टेस्ट मैच साल 2002 में जीता था। इसके बाद से ही वेस्टइंडीज को लगातार हार का सामना करना पड़ा है।21 साल पहले कैरेबियाई टीम ने अंतिम बार भारत को बड़े प्रारुप में हराया था।तब वेस्टइंडीज की टीम ने 2–1 से सीरीज जीती थी।इस सीरीज का आयोजन वेस्टइंडीज में ही हो रहा था। उसके बाद से ही कोई टेस्ट मैच और ना ही कोई टेस्ट सीरीज वेस्टइंडीज ने भारत से जीती है।साल 2002 के बाद से अब तक भारत और वेस्टइंडीज के बीच कुल 8 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं और सभी सीरीज भारतीय टीम ने ही जीती है।

शुभमन , अक्षर और ईशान को कप्तान के तौर पर तैयार करें : गावस्कर

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भविष्य को देखते हुए तीन युवा खिलाड़ियों को टीम के कप्तान के तौर पर तैयार करने के लिए कहा है।गावस्कर ने कहा, भविष्य के कप्तान के तौर पर बल्लेबाज शुभमन गिल के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल और विकेटकीपर ईशान किशन बेहतर विकल्प हैं। अक्षर हर मैच से साथ बेहतर होते जा रहे हैं, ऐसे में उन्हें उप कप्तान की जिम्?मेदारी देकर उन्हें इसके लिए तैयार करने पर विचार किया जा सकता है।इस महान बल्लेबाज ने कहा, भविष्य के कप्तान के तौर पर शुभमन और अक्षर पटेल हर मैच से साथ ही बेहतर होते जा रहे हैं, ऐसे में उन्हें उप कप्तान की जिम्मेदारी देकर उन्हें इसके लिए तैयार करने पर विचार किया जा सकता है। इन दोनों अनुभवी बल्लेबाजों के अलावा ईशान किशन भी दौड़ में बने हुए हैं।गावस्कर ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान टीम में स्थान पक्का होने पर कप्तान के दावेदार बन जाएंगे। वहीं वेस्टइंडीज दौर के लिए अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को उपकप्तानी दिये जाने पर उन्होंने कहा कि अगर किसी युवा को ये जिम्मेदारी दी जाती तो और बेहतर होता क्योंकि रहाणे की उम्र बढ़ती जा रही है और ऐसे में भविष्य को देखते हुए किसी युवा खिलाड़ी को उपकप्तान बनाया जाना था।

बुमराह ने एनसीए में शुरू किया गेंदबाजी अभ्यास, वापसी की समयसीमा तय नहीं

बेंगलुरु।(एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में नेट अभ्यास के दौरान सात ओवर गेंदबाजी की है लेकिन चोट से उबरकर राष्ट्रीय टीम में कब वापसी करेंगे इसका जवाब अभी किसी के पास नहीं है। नेट पर बुमराह की गेंदबाजी को हालांकि 2023 विश्व कप की प्रतीक्षा कर रहे भारतीय प्रशंसकों अच्छी खबर मान रहे है। विश्व कप का कार्यक्रम मंगलवार को मुंबई में जारी किया गया है। बुमराह की पीठ में बार-बार होने वाली तकलीफ के लिए मार्च में न्यूजीलैंड में सर्जरी हुई थी और तब से वह फिटनेस हासिल करने होने की राह पर हैं। बुमराह ने भारत के लिए अपना पिछला मुकाबला सितंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खेला था।

ऐसे में सवाल उठ रहे कि क्या बुमराह आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला या एशिया कप में वापसी कर पाएंगे? इस घटनाक्रम पर नजर रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई-को बताया, '' इस तरह की चोट के लिए, कोई समयसीमा निर्धारित करना बुद्धिमानी नहीं है क्योंकि खिलाड़ी की लगातार निगरानी की आवश्यकता होती है। यह हालांकि कहा जा सकता है कि बुमराह चोट से अच्छी तरह से उबर रहे हैं। उन्होंने एनसीए नेट पर सात ओवर गेंदबाजी की है। वह अपने कार्यभार को लगातार बढ़ा रहे है जिसमें शुरुआती दौर के हल्के वर्कआउट से गेंदबाजी की ओर बढ़ना शामिल है। उन्होंने कहा, ''वह अगले महीने (एनसीए में) कुछ अभ्यास मैच खेलेंगे और तब उनकी फिटनेस का करीबी आकलन किया जाएगा।'' भारतीय टीम के पूर्व 'स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग' कोच रामजी श्रीनिवासन ने कहा कि बुमराह की वापसी में काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

उन्होंने कहा, '' उसे जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए. एनसीए में अभ्यास मैच खेलना एक अच्छा कदम है क्योंकि इससे उनके शरीर को मैच की मांग के अनुरूप तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्हें शीर्ष स्तर के क्रिकेट में लाने से पहले कुछ वास्तविक (घरेलू) मैचों में खेलना चाहिये।'' लोकेश राहुल और श्रेयस अय्यर भी एनसीए में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे है। यह दोनों खिलाड़ी भी चोट से उबरने के मामले में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। उनकी वापसी के लिए भी कोई विशेष समयसीमा निर्धारित नहीं की गई है। राहुल ने लंदन में जांघ की जबकि श्रेयस ने पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी कराई थी।

मारिया को हराकर स्वियातेक बैड होम्बर्ग ओपन के दूसरे दौर में पहुंची

बैड होमबर्ग ।शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने बैड होमबर्ग ओपन के अपने पदार्पण मुकाबले में पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए तात्याना मारिया को शिकस्त देकर दूसरे दौर में जगह बनायी।दो सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद अपना पहला मैच खेल रही स्वियातेक ने ग्रास–कोर्ट विशेषज्ञ मारिया पर 5–7, 6–2, 6–0 से जीत दर्ज की।पोलैंड की इस खिलाड़ी के सामने दूसरे दौर में जिल टीचमन की चुनौती होगी।स्विट्जरलैंड की टीचमन ने अमेरिका की क्लेयर लियू को 3–6, 6–3, 6–4 मात दी।अमेरिका की एम्मा नवारो ने अर्जेंटीना की नादिया पोडोरोस्का पर 6–2, 6–0 से आसान जीत दर्ज की।दूसरे दौर में उनका मुकाबला फ्रांस की एलिजे कोर्नेट से होगा।इसके अलावा चौथी वरीयता प्राप्त मेयर शेरिफ ने जर्मनी की ऐना–लेना फीडसैम को 4–6, 6–4, 7–5 तो वहीं कतेरीना सिनियाकोवा ने सातवीं वरीयता प्राप्त एलिसबेटा कोकियारेटो को 6–3, 6–4 से हराया। बियांका आंद्रेस्कू ने ब्रिटेन की सोनाय कार्तल को 6–2, 3–6, 7–5 से पराजित किया।

पृथ्वी के खिलाफ सपना के लगाये आरोपों को पुलिस ने झूठा बताया

मुंबई ।क्रिकेटर पृथ्वी शॉ के खिलाफ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर सपना गिल के छेड़छाड़ के आरोपों को मुम्बई पुलिस ने गलत करार दिया है।इस मामले में जांच अधिकारी ने मजिस्ट्रेट को अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी है।वहीं पुलिस द्वारा रिपोर्ट सौंपने के बाद सपना के वकील अली काशिफ खान ने अदालत से अनुरोध किया कि उन्हें कथित विवाद का वीडियो फुटेज पेश करने की अनुमति दी जाए, जिसे गिल के दोस्त ने अपने फोन पर रिकॉर्ड किया था।उन्होंने पब के बाहर हुई घटना की सीसीटीवी फुटेज लेने की भी मांग की।इसपर अदालत ने पुलिस को पूरी घटना की फुटेज सौंपने को कहा और मामले को 28 जून तक के लिए स्थगित कर दिया।सपना ने अंधेरी में एक मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष छेड़छाड़ और बदसलूकी एक शिकायत दर्ज की थी और क्रिकेटर पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।इसी को लेकर पुलिस ने अदालत को बताया कि पब के सीसीटीवी फुटेज की जांच से पता चलता है कि सपना और उसका दोस्त शोबित ठाकुर नशे में थे और नाच रहे थे।

विश्वनाथन आनंद की अगुवाई वाली 'गैंजेज ग्रैंडमास्टर' ने 'त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स' को हराया

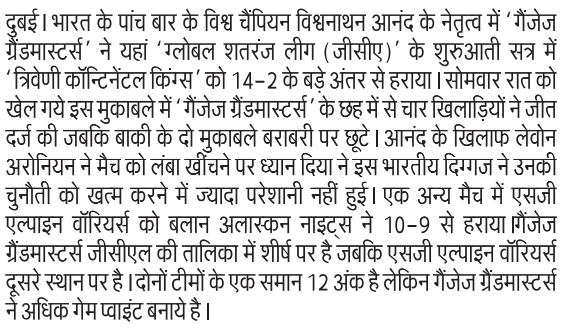

दुबई।भारत के पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के नेतृत्व में 'गैंजेज ग्रैंडमास्टर्स' ने यहां 'ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीए)' के शुरुआती सत्र में 'त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स' को 14–2 के बड़े अंतर से हराया।सोमवार रात को खेल गये इस मुकाबले में 'गैंजेज ग्रैंडमास्टर्स' के छह में से चार खिलाड़ियों ने जीत दर्ज की जबकि बाकी के दो मुकाबले बराबरी पर छूटे।आनंद के खिलाफ लेवोन अरोनियन ने मैच को लंबा खींचने पर ध्यान दिया ने इस भारतीय दिग्गज ने उनकी चुनौती को खत्म करने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। एक अन्य मैच में एसजी एल्पाइन वॉरियर्स को बलान अलास्कन नाइट्स ने 10–9 से हराया।गैंजेज ग्रैंडमास्टर्स जीसीएल की तालिका में शीर्ष पर है जबकि एसजी एल्पाइन वॉरियर्स दूसरे स्थान पर है।दोनों टीमों के एक समान 12 अंक है लेकिन गैंजेज ग्रैंडमास्टर्स ने अधिक गेम प्वाइंट बनाये है।

आईसीसी विश्व कप क्रिकेट का मेजबान बनकर गर्व का अनुभव कर रहे : जय शाह

–विश्व कप का कार्यक्रम जारी करते हुए खुशी हो रही : एलार्डिस

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने आईसीसी विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा है कि इसकी मेजबानी मिलना हमारे लिए सम्मान और गर्व की बात है। शाह ने कहा, ''हमारे देश की समृद्ध विविधता को प्रदर्शित करते हुए भारत के विभिन्न शहरों में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप का आयोजन होगा सम्मान के साथ ही गर्व की बात है।

उन्होंने कहा, ''भारत में क्रिकेट के प्रति लोगों में जबरदस्त उत्साह रहता है। मुझे भरोसा है कि यहां और विदेशों में प्रशंसक साल 2011 के बाद पहली बार टूर्नामेंट की भारत में वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। साथ ही कहा कि मैं सभी टीमों को उनकी तैयारियों के लिए शुभकामनाएं भी देता हूं। हम एक और रोमांचक टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार हैं।

वहीं आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, हमें आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 का कार्यक्रम जारी करते हुए खुशी हो रही है, जो किसी भी वैश्विक आयोजन से पहले हमेशा एक बड़ा अवसर होता है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि दुनिया भर में करोड़ों प्रशंसक अब तक के सबसे बेहतरीन पुरुष क्रिकेट विश्व कप का हिस्सा होंगे और हम जानते हैं कि भारत में टीमें एक अनोखे वातावरण का आनंद लेंगी।

इस विश्व कप में दुनिया भर की दस टीमें शामिल होंगी। ये टूर्नामेंट पांच अक्टूबर से 19 नवंबर तक 10 स्थानों पर खेला जाएगा। इसमें मैचों का आयोजन बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और पुणे में होगा। अहमदाबाद में टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच होने के साथ ही 19 नवंबर को होने वाला फाइनल भी खेला जाएगा। अभ्यास मैच गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम व हैदराबाद जैसे स्थलों पर भी खेले जाएंगे। विश्व कप सुपर लीग के माध्यम से 46 दिवसीय आयोजन के लिए आठ टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है, जबकि अंतिम दो स्थान जिम्बाब्वे में जारी आईसीसी क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर द्वारा तय किए जायेंगे।

टूर्नामेंट में पिछली बार के राउंड-रॉबिन प्रारूप को बरकरार रखा गया है। सभी टीमें कुल 45 लीग मैचों में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। लीग चरण के अंत में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जो 15 नवंबर को मुंबई में और 16 नवंबर को कोलकाता में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल के लिए अतिरिक्त दिन आरक्षित किए गए हैं।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फ्रीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफ्लेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम, कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौंपें।

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्ना केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत-लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

बवंडर के कारण तीन लोगों की मौत, बिजली आपूर्ति ठप

इंडियाना ।अमेरिका के इंडियाना में एक मकान के बवंडर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हुई और उसकी पत्नी घायल हो गई, जबकि अरकंसास में एक मकान पर पेड़ गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मध्य अमेरिका के कई प्रांतों में खराब मौसम का कहर जारी है। बवंडर शोल्स पहुंचा और दक्षिणी इंडियाना के मार्टिन काउंटी के ग्रामीण इलाके से होकर गुजरा। मार्टिन काउंटी के आपातकालीन सेवा विभाग के प्रबंध निदेशक कैमरून वुल्फ ने बताया कि इंडियाना में घायल महिला को हवाई मार्ग के द्वारा अस्पताल ले जाया गया। वुल्फ ने कहा, ''दंपति का मकान पूरी तरह से तबाह हो गया है, जबकि उससे कुछ फुट की दूरी पर उनकी एक दुकान थी, जो बिल्कुल सुरक्षित है। उसे थोड़ा-सा भी नुकसान नहीं पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि एक और बवंडर ने उपनगर इंडियानापोलिस के ग्रीनवुड तथा बार्जर्सविले क्षेत्र को प्रभावित किया। बार्जर्सविले के दमकल विभाग के प्रमुख एरिक फनखौसर ने बताया कि कम से कम 75 मकानों को मध्यम से गंभीर स्तर की क्षति पहुंची है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। अरकंसास में शेरिफ के अधिकारियों ने बताया कि कार्लिस्ले में रविवार रात एक मकान पर पेड़ गिर गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स ने राज्य में कई बिजली लाइनों के खराब होने का हवाला देकर आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है।

प्रेस की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है अमेरिकी सरकार : व्हाइट हाउस

–पीएम मोदी से सवाल करने वाली अमेरिकी पत्रकार को ट्रोल करने पर आई प्रतिक्रिया

वाशिंगटन। प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी से सवाल करने वाली रिपोर्टर सबरीना सिद्दीकी को इस समय ऑनलाइन काफी ट्रोल किया जा रहा है। सबरीना ने पिछले हफ्ते जो बाइडन के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के बारे में सवाल किया था। इसके अलावा, सिद्दीकी ने पीएम मोदी से उनकी सरकार द्वारा उन्हें सुधारने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए जाने को लेकर भी सवाल पूछा था। अब अमेरिकी पत्रकार को ऑनलाइन ट्रोल करने को लेकर व्हाइट हाउस ने निंदा की है और इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है। गौरतलब है कि संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के एक दिन बाद, रिपोर्टर सिद्दीकी पर कुछ लोगों ने आरोप लगाया और उसे पाकिस्तानी इस्लामवादी तक कहा था। इस पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने इसकी निंदा की और एक बयान जारी कर कहा, हम अपने पत्रकार के साथ हुए उत्पीड़न की रिपोर्टों से अवगत हैं। यह अस्वीकार्य है और हम किसी भी परिस्थिति में कहीं भी पत्रकारों के उत्पीड़न की निंदा करते हैं। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। यह लोकतंत्र के सिद्धांतों के विपरीत है जो पिछले सप्ताह प्रदर्शित हुए थे। इधर व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने कहा, हम प्रेस की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध हैं, यही कारण है कि हमने पिछले सप्ताह प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से किसी पत्रकार को डराने-धमकाने या परेशान करने के किसी भी प्रयास की निंदा करते हैं जो सिर्फ अपना काम करने की कोशिश कर रहे है।

अमेरिका में 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ संपन्न

न्यूजर्सी ।अमेरिका के न्यूजर्सी शहर में 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का संपन्न हुआ। युवा आइकान डॉ. चिन्मय पण्ड्या के नेतृत्व पहुंची शांतिकुंज की उच्च प्रशिक्षित टीम ने महायज्ञ का संचालन किया। इस अवसर पर देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति व युवा आइकान आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने परिजनों को सम्बोधन के क्रम में यज्ञ के वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक पक्ष की व्याख्या की, एवं युवाओं का मार्गदर्शन करते उन्होंने कहा कि युवावस्था यानि भविष्य संवारने का समय। इस समय का सही उपयोग कर लिया, तो भविष्य उज्ज्वल होगा। युवा आइकान आदरणीय डॉ. चिन्मय ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल आधार है अध्यात्म जीवन जीने कला का नाम है। आप अध्यात्म का जितना विस्तार करेंगे, आत्मसात करेंगे, जीवन में उतारेंगे, उतना ही जीवन सुखमय होगा। इस अवसर में अमेरिका, कनाडा व अन्य देशों से आए हजारों भाई बहन उपस्थित रहे।

बाल यौन शोषण वेबसाइट चलाने वाले भारतीय मनोचिकित्क को 6 साल की जेल

लंदन ।एक भारतीय मनो ?चिकित्सक को बाल यौन शोषण वेबसाइट चलाने के आरोप में 6 साल की जेल हो गई। जानकारी के अनुसार दक्षिण पूर्व लंदन में लेविशम में रहने वाले 33 वर्षीय डॉ. कबीर गर्ग को वूलविच क्राउन अदालत ने बच्चों के शोषण को बढ़ावा देने एक वेबसाइट चला रहे थेद्य। इस मामले में 23 जून को उन्हें 6 साल जेल की सजा सुनाई है। कोर्ट में हुई सुनवाई में पाया गया कि उसने यौन शोषण से जुड़ी तस्वीर साझा करने वाली एक डार्क वेबसाइट के लिए मॉडरेटर का काम किया था। नेशनल क्राइम एजेंसी के एडम प्रीस्टली ने अपने बयान में बताया कि, कबीर गर्ग बाल यौन शोषण को बढ़ावा देने में बड़े स्तर पर शामिल था। उसने बच्चों के खिलाफ भयानक अपराध और चर्चा करने वाले बालप्रेमी समुदाय तक पहुंच के लिए डार्क वेब का इस्तेमाल किया था। कबीर गर्ग यूके जाने से पहले लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस करने के बाद बेंगलुरु में नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंस में कार्य करता था। उसे पिछले साल नवंबर में गिरफ्तार किया गया। जनवरी में उसे आठ आरोपों में दोषी पाया गया जिसमें बाल यौन शोषण और अश्लील तस्वीरें बनाना और वितरित करना शामिल था। डॉ. कबीर गर्ग, वेबसाइट के मॉडरेटर में से एक था, इसके दुनिया भर में करीब 90,000 सदस्य हैं। वह इस वेबसाइट का एडमिनिस्ट्रेटर था। इस वेबसाइट से रोजाना साझा की जाने वाली बाल शोषण सामग्री के सैकड़ों लिंक मिले। प्रीस्टले बताते हैं ?कि डार्क वेब पर इस तरह की साइट के सैकड़ों-हजारों सदस्य होते हैं, लेकिन उनमें से कुछ ही स्टाफ सदस्य के रूप काम करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं, जो बगैर भुगतान लिए बहुत सारा वक्त इसके लिए देते हैं। यूके की नेशनल क्राइम एजेंसी ने अपने बयान में कहा कि, अधिकारियों ने गर्ग को लेविशम में उसके फ्लैट से नवंबर 2022 में गिरफ्तार किया था। उस दौरान कबीर गर्ग ने अपने मॉडरेटर अकाउंट से लॉगइन किया था और उनके लैपटॉप पर साइट खुली हुई थी। अधिकारियों ने 7000 से अधिक अश्लील चित्र, वीडियो और कई मेडिकल जर्नल बरामद किए जो उन्होंने मनोचिकित्सक के रूप में हासिल किए थे।

भारतीय समुदाय की बड़ी जीत, न्यूयॉर्क में दिवाली पर स्कूलों में रहेगी छुट्टी

न्यूयॉर्क ।रोशनी के त्योहार दिवाली पर न्यूयॉर्क शहर के स्कूलों में छुट्टी रहेगी। इसे भारतीय समुदाय सहित शहर के निवासियों के लिए एक बड़ी जीत बताया जा रहा है। इस बारे में न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि उन्हें गर्व है कि राज्य के सदन और राज्य के सीनेट ने न्यूयॉर्क सिटी पब्लिक स्कूल में दिवाली पर छुट्टी रखने संबंधी विधेयक को पारित कर दिया है। उन्होंने सिटी हॉल से की गई एक विशेष घोषणा में कहा कि हमें विश्वास है कि गवर्नर इस विधेयक पर हस्ताक्षर कर इसे कानून का रूप देंगे। एडम्स ने कहा कि यह एक जीत केवल भारतीय समुदाय के महिला व पुरुषों और दिवाली मनाने वाले सभी समुदायों की नहीं, बल्कि यह न्यूयॉर्क की जीत है। अब इस वर्ष से न्यूयॉर्क शहर के पब्लिक स्कूलों में दिवाली की छुट्टी रहेगी। न्यूयॉर्क की प्रतिनिधि सभा की सदस्य जेनिफर राजकुमार ने कहा कि दो दशकों से अधिक समय से, दक्षिण एशियाई और भारतीय-कैरिबियाई समुदाय ने इस पल के लिए संघर्ष किया है। गौरतलब है कि जेनिफर न्यूयॉर्क राज्य की प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी गई पहली भारतीय-अमेरिकी महिला हैं। उन्होंने कहा ?कि आज मेयर और मुझे पूरी दुनिया के सामने खड़े होकर यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि अब से दिवाली पर न्यूयॉर्क शहर के स्कूलों में हमेशा छुट्टी रहेगी। जेनिफर ने कहा कि दिवाली की छुट्टी को कानून में शामिल किया जाना चाहिए। न्यूयॉर्क सिटी स्कूल के चांसलर डेविड बैंक्स ने कहा कि शहर में स्कूली बच्चों के लिए दिवाली की छुट्टी की घोषणा करना, दिवाली पर स्कूल बंद रखने से ज्यादा इस बात पर जोर देता है कि हम अपनी सोच का दायरा बढ़ा रहे हैं, क्योंकि हम उन्हें दिवाली तथा उसके इतिहास के बारे में बताने जा रहे हैं।

होंडूरास में मिलिटरी पुलिस ने देश भर के कारावासों का नियंत्रण अपने हाथों में लेने के साथ ही वहां बंद विभिन्न गैंग के अपराधियों पर नजर रखनी शुरु कर दी।

बाइडेन और पीएम मोदी का साझा बयान, पाकिस्तान ने अमेरिकी दूतावास के अधिकारी को बुलाया

इस्लामाबाद ।पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राष्?ट्रपति जो बाइडन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले सप्ताह के एक बयान पर चिंता जाहिर की है। पाकिस्तान ने अपनी चिंता जाहिर करने के लिए अमेरिकी दूतावास के मिशन के डिप्टी को समन किया है। दोनों नेताओं ने पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि उसकी सीमा का प्रयोग आतंकी हमलों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पाकिस्तान ने इस बयान की आलोचना की थी। उसका कहना था कि यह राजनयिक मानदंडों के विपरीत है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय का कहना है कि यह साझा बयान में एकतरफा और भ्रामक बातें कही गई हैं। मंत्रालय ने कहा, पाकिस्तान ने इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिका को इसतरह के बयान जारी करने से बचना चाहिए जिन्हें भारत की तरफ से आधारहीन और राजनीति से प्रेरित कहानी को प्रोत्साहन के तौर पर माना जा सकता है। बयान में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि पाकिस्तान और अमेरिका के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग काफी अच्छे से आगे बढ़ा रहा है। पाकिस्तान के विदेश विभाग की तरफ से जो समन जारी किया गया, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैट मिलर ने उसका करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवादी समूहों का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, लेकिन ये काफी नहीं हैं। उनका कहना था कि अमेरिका ने इस दिशा में और ज्यादा कदम उठाने की अपील की है। उनके शब्दों में, हम पाकिस्तान की तरफ से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद और विभिन्न प्रमुख संगठनों सहित सभी आतंकवादी समूहों को स्थायी रूप से नष्ट करने के लिए कदम उठाने के महत्व पर भी लगातार कायम रहे हैं। मगर हम इस मुद्दे को पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ नियमित रूप से उठाते रहने वाले हैं।

इंडिया कॉकस के सदस्यों ने भारत में हथियारों की बिक्री में तेजी लाने के लिए पेश किया विधेयक

वाशिंगटन।(एजेंसी)। इंडिया कॉकस के सदस्यों ने एक द्विदलीय विधेयक पेश किया है, जिसका मकसद भारत को अपनी रक्षा के लिए आवश्यक हथियारों तक पहुंच प्रदान करना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के साथ उसके सुरक्षा लक्ष्यों को बढ़ावा देना है। भारतीय-अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना और मार्क वेसी के साथ रिपब्लिकन सांसद एंडी बर्र तथा माइक वाल्ट्ज ने यह विधेयक पेश किया, जो अमेरिका से भारत में हथियारों की बिक्री की प्रकिया में तेजी लाने और अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों को गहरा करने का अवसर देगा। कृष्णमूर्ति के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, अमेरिकी सीनेट में डेमोक्रेटिक सांसद मार्क वार्नर और रिपब्लिकन सांसद जॉन कॉर्निन द्वारा ऐसा ही एक ओर विधेयक पेश किया गया।

वहीं, बर्र के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मताबिक, यह विधेयक ''शस्त्र निर्यात नियंत्रण अधिनियम के तहत विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) और निर्यात के लिए समीक्षा एवं बिक्री प्रक्रिया को सुव्यवस्थित व तेज करके भारत को अन्य अमेरिकी भागीदारों तथा सहयोगियों के साथ समान स्तर पर ले आएगा।'' यह भारतीय एफएमएस की अन्य प्रमुख अमेरिकी साझेदारों और सहयोगियों की तरह जवाबदेही तय करेगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि भारत ने अपनी रक्षा के लिए आवश्यक उच्च-स्तरीय क्षमताओं तक पहुंच को सुव्यवस्थित कर लिया है। बर्र ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के रूप में ''हमारी वैश्विक साझेदारी को मजबूत करना मौजूदा चुनौतियों से निपटने और सभी के लिए सुरक्षित भविष्य सुरक्षित करने के लिहाज से बेहद अहम है।

2023 के चुनाव में नवाज शरीफ को ही बनाया जाएगा पीएम का चेहरा ? सांसदों की अयोग्यता से जुड़ा विधेयक पास

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजनीति में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की वापसी का रास्ता धीरे-धीरे साफ हो रहा है। राज्य के एक प्रवक्ता ने कहा पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने यह कानून पारित किया है कि सांसदों को कितने समय तक पद से अयोग्य ठहराया जा सकता है। इससे निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ राजनीति में वापसी कर सकते हैं। 2017 में भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण अपदस्थ होने के बाद नवाज शरीफ ने तीन बार पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया। देश की शीर्ष अदालत ने तब उन्हें जीवन भर के लिए राजनीति से प्रतिबंधित कर दिया था। बाद में उन्हें सात साल जेल की सजा सुनाई गई।

पुतिन का आरोप, पश्चिमी देश चाहते हैं कि रूसी एक-दूसरे को मार दें

– पुतिन ने कहा कि उन्होंने रक्तपात से बचने आदेश जारी किए और वैगनर सेनानियों को माफ किया

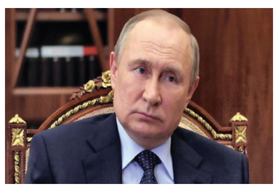

मास्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे चाहते हैं कि वैगनर समूह के भाड़े के सैनिकों के विद्रोह के दौरान रूसी नागरिक एक-दूसरे को मार दें। रूस की निजी निजी सेना कहे जाने वाले वैग्नर ग्रुप के प्रमुख येवेनी प्रीगोझिन द्वारा सशस्त्र विद्रोह की घोषणा और मॉस्को की तरफ बढ़ते उनके कदमों ने बीते शनिवार-रविवार को देश में हलचल पैदा कर दी थी। हालांकि, अब ये खतरा टल गया है। विद्रोहियों के पीछे हटने के बाद राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में पुतिन ने कहा कि उन्होंने रक्तपात से बचने के लिए आदेश जारी किए हैं और वैगनर सेनानियों को माफ कर दिया है, जिनके विद्रोह ने उनके दो दशक के शासन के लिए अब तक की सबसे बड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश की थी। पुतिन ने टेलीविज़न संबोधन में रूसियों को उनकी देशभक्ति के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि घटनाओं की शुरुआत से ही मेरे आदेश पर बड़े पैमाने पर रक्तपात से बचने के लिए कदम उठाए गए थे। पुतिन ने कहा कि यह वास्तव में रूस के दुश्मनों का भाईचारा था जो चाहते थे कि रूसी सैनिक एक-दूसरे को मार डालें।

पुतिन ने एक बैठक में सशस्त्र विद्रोह के दौरान अपने सुरक्षा अधिकारियों को उनके काम के लिए धन्यवाद दिया, जिसमें रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु भी शामिल थे, जो विद्रोह का मेन टारगेट थे। नागरिकों की एकजुटता ने दिखाया कि कोई भी ब्लैकमेल, आंतरिक उथल-पुथल आयोजित करने का कोई भी प्रयास नाकाम हो जाएगा। पुतिन ने कहा कि वैगनर लड़ाकों से कहा गया है कि वे रूसी सेना में शामिल होने, बेलारूस जाने या अपने घरों को लौटने का विकल्प चुन सकते हैं।

पुतिन और प्रिगोझिन के बीच समझौता करके हीरो बने बेलारूस के तानाशाह लुकाशेंको

मास्को (एजेंसी)। रूस में पिछले दिनों हुई तख्तापलट की नाकाम कोशिश के बाद रुसी राष्?ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी सवालों के घेरे में आ गए हैं। पुतिन के लीडरशिप पर न केवल रूस में कई तरह के सवाल उठ रहे हैं, बल्कि दुनिया में भी उनकी जमकर किरकिरी हो रही है। वहीं पुतिन के खिलाफ विद्रोह करने वाले वैगनर चीफ को भी रूस छोड़कर जाना पड़ा है। इस पूरे घटनाक्रम में जिसकी सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह हैं बेलारूस के तानाशाह अलेक्जेंडर लुकाशेंको जो साल 1994 से ही सत्ता में हैं। लुकाशेंको ने ही मास्को की ओर बढ़ रहे वैगनर प्रमुख की 25000 सेना को रोका था। लुकाशेंको ने ही वैगनर और पुतिन सरकार के बीच मध्यस्थता कराई थी। वहीं विश्लेषक अब बेलारूस के राष्ट्रपति को इस पूरे तनाव का असली विजेता बता रहे हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति ने रूसी तख्तापलट की कोशिश के बाद अपनी सेना को पूरी तरह से अलर्ट रहने के लिए कहा है। लुकाशेंको का बयान वैगनर ग्रुप की सेना के रूस में असफल तख्तापलट की कोशिश के बाद आया है।दरअसल, पुतिन अपने दो दशक पुराने कार्यकाल में सबसे बड़े खतरे से हाल ही में उबरे हैं। उन्हें बचाने वाले लुकाशेंको हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति ने कहा है कि पश्चिमी देश रूस के हालात का फायदा उठा सकते हैं। यह लुकाशेंको ही है जिन्होंने समय से हस्तक्षेप करके वैगनर चीफ को समझौता करने के लिए मना लिया नहीं, तब रूस गृहयुद्ध की ओर बढ़ता दिख रहा था। यही नहीं रूसी राष्ट्रपति की धमकी के बाद वैगनर चीफ प्रिगोझिन बनाम पुतिन की यह लड़ाई हो गई थी। इस डील के बाद अब रूस वैगनर के लड़ाकुओं के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगा जिन्होंने तख्तापलट में हिस्सा लिया था। इस डील के बाद अब प्रिगोझिन बेलारूस पहुंच गए हैं। इस डील के बाद प्रिगोझिन ने ऑडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि यह तख्तापलट रूस के नेतृत्व को उखाड़ फेंकने के लिए नहीं था। इस विद्रोह का उद्देश्य रूस के रक्षा मंत्रालय के उस फैसले का विरोध करना था जिसमें 1 जुलाई से वैगनर को बंद करने का फैसला लिया गया था।

अब खुलेगा दूसरे विश्वयुद्ध का बड़ा रहस्य, समुद्र में मिला एक और सीक्रेट मलबा

लंदन (एजेंसी)। समुद्र में एक और मलबा मिलने से दूसरे विश्वयुद्ध की यादें ताजा हो गई। बताया जा रहा है कि टाइटैनिक जहाज और टाइटन सबमरीन मलबे को लेकर दुनियाभर में चल रही हलचल के बीच समुद्र में एक और मलबे की खोज का दावा किया गया है। इसे ग्रीस के तट के पास ब्रिटेन की सबमरीन एचएमएस ट्राइअम्फ का मलबा मिलने का दावा किया गया है। गोताखोरों को पूरा भरोसा है कि उन्होंने ग्रीस के एजियन सागर में दूसरे विश्वयुद्ध में तबाह हो गई ब्रिटिश पनडुब्बी के मलबे का पता लगाया है। यह सबमरीन पानी में एक बारुदी सुरंग से टकराई गई थी और विस्फोट के बाद डूब गई थी। इस पर सवार सभी 64 ब्रिटिश नौसैनिक मारे गए थे जिनके शव तक नहीं मिले थे। समुद्र में यह मलबा 670 फुट की गहराई में है। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक 275 फुट लंबी यह सबमरीन ग्रीस के तट पर थी और साल 1942 में रहस्यमय परिस्थितियों में डूब गई थी। इस सबमरीन के मलबे की फुटेज बहुत हैरान करने वाली है।

हालांकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि यह मलबा इसी सबमरीन का है। इस सबमरीन की पेंदी और उसके मलबे के स्थान से गोताखोरों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि यह ब्रिटिश पनडुब्बी ही है। हालांकि अभी इस मलबे की जांच जारी है। ग्रीस के चर्चित गोताखोर कोस्तास थोकटारइडिस को सबसे पहले साल 1998 में इस ब्रिटिश सबमरीन की कहानी पता चली थी। इसके बाद उन्होंने अपने पैसे से इसकी खोज का मिशन शुरू किया था। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे कठिन मिशन था। अपने सहयोगियों के साथ उन्होंने रिमोट से चलने वाले जहाज और सोनार की मदद से इस सबमरीन की खोज की है। इस सोनार के जरिए पानी के अंदर जांच की जाती है और उसमें मौजूद ऑब्जेक्ट की पहचान की जाती है।

बता दें कि रिमोट से चलने वाले जहाज ने सबमरीन के बहुत हैरान करने वाले वीडियो बनाए हैं। सबमरीन का ज्यादातर हिस्सा जहाज ने अपने कैमरे में कैद किया है। इस घटना के 80 साल बीत जाने के बाद भी अभी इसका मलबा पूरी तरह से सुरक्षित है। ग्रीस के समुद्री इलाके में अब तक चार सबमरीन बरामद हो चुकी हैं। ब्रिटिश नौसेना इस स्थल को बहुत सम्मान की दृष्टि देख रही है जहां 64 सैनिक दफन हैं।

क्या पाकिस्तान में इमरान और उनकी पार्टी पीटीआई का खेल हुआ खत्म

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में इनदिनों जो कुछ हो रहा हैं उसके बाद अब तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और इसके मुखिया इमरान खान के भविष्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। डीजी आईएसपीआर ने नौ आर्मी ऑफिसर्स पर कार्रवाई का ऐलान किया। जहां एक लेफ्टिनेंट जनरल और तीन ऑफिसर्स को सस्पेंड किया गया। वहीं आठ सीनियर ऑफिसर्स के खिलाफ कार्रवाई का ऐलान हुआ। इसके बाद विशेषज्ञ सवाल करने लगे हैं कि पूर्व पीएम क्या इमरान खान और पीटीआई के लिए अब खेल खत्म हो गया है? दिलचस्प बात यह है कि आईएसपीआर के डीजी ने करीब डेढ़ घंटे तक प्रेसवार्ता को संबोधित किया। मगर इस प्रेसवार्ता में इमरान और उनकी पार्टी का जिक्र न के बराबर था।

डीजी आईएसपीआर का कहना था कि सेना का मानना है कि, वर्तमान में, पाकिस्तान के लिए अकेला सबसे बड़ा खतरा आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता। इस दौरान उन्?होंने नाम नहीं लिया लेकिन सब समझ गए थे कि उनका इशारा किस तरफ है। उन्होंने नौ मई की घटनाओं को सेना और उसके नेतृत्व के खिलाफ पिछले कई महीनों से लोगों को गुमराह करने में शामिल लोगों द्वारा रचित एक सुनियोजित साजिश बताया। इससे साफ हो गया कि उनका इशारा किस तरफ था। इमरान की गिरफ्तारी के बाद बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों ने दुनिया को चिंता में डाल दिया था। जो कार्रवाई की गई उसके बाद कुछ पत्रकारों को सेना के बयानों में विरोधाभास नजर आया। सेना की तरफ से पहले कहा गया था कि मिलिट्री ने प्रदर्शन वाले दिन काफी संयम बरता था।

डीजी से बार-बार यह साफ करने को कहा गया था कि जब सेना खुद संयम दिखाना चाहती थी तब प्रदर्शनकारियों से न उलझने के लिए तीन अधिकारियों को क्यों जाने दिया गया। मगर वह कोई जवाब नहीं दे सके। महत्वपूर्ण बात यह है डीजी की तरफ से यह दिखाने की कोशिश की गई कि नौ मई को जो कुछ भी हुआ उसमें सेना ने खुद को सजा दी है। डीजी आईएसपीआर ने यह साफ कर दिया कि सेना का मानना है कि अब असैन्य अपराधियों को सजा देने का समय आ गया है।

उन्होंने सैन्य अदालतों में चलने वाले मुकदमों का बचाव किया। साथ ही इसकी जानकारी भी दी कि 102 संदिग्धों का कोर्ट मार्शल पहले से ही चल रहा है। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए इंसाफ के कार्यकर्ताओं ने लाहौर कोर कमांडर हाउस, मियांवाली एयरबेस और फैसलाबाद में आईएसआई भवन सहित 20 से अधिक सैन्य प्रतिष्ठानों और सरकारी भवनों में तोड़फोड़ की थी। रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर भी भीड़ ने

हमला किया था। उन्होंने चेतावनी भी कि दी कि इस प्रक्रिया को नतीजे पर पहुंचाने के रास्?ते में जो कोई भी आएगा, उससे सख्ती से निपटा जाएगा। वहीं कई लोगों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट में पहले ही इस बात को लेकर सुनवाई चल रही है कि सैन्य अदालतों के तहत नागरिकों पर मुकदमा चलाना कहां तक सही है। पाकिस्तान के विशेषज्ञों की मानें तब यह वॉर्निंग सीधे तौर पर इमरान खान और उनकी पार्टी के लिए है। इमरान अक्सर सेना पर निशाना साधते रहते हैं। साथ ही नौ मई को हुई हिंसा में उनकी पार्टी के समर्थक बड़े पैमाने पर मौजूद थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा नेता कमाल खान का बेटा 70 करोड़ की ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

इंदौर । भाजपा के वरिष्ठ नेता और अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष कमाल खान के बेटे बिलाल खान को इंदौर क्राइम ब्रांच पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जैसे ही क्राइम ब्रांच ने बिलाल खान को गिरफ्तार किया। उसके बाद बजरंग दलके कार्यकर्ताओं ने उसके समर्थन में पलासिया चौराहे पर जमकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने उसके बाद लाठीचार्ज किया था। इस मामले में गृहमंत्री ने 2 पुलिस अधिकारियों को लाइन अटैच किया था। इस मामले की जांच एडीजी स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही है। बिलाल खान को 2021 में पकड़ी गई 70 करोड़ के एमडी ड्रग्स जप्त होने के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। उसके ऊपर 4000 रुपये का इनाम भी पुलिस ने घोषित किया हुआ था। मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच ने छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र में उसे घूमते हुए गिरफ्तार किया था। अब पुलिस बिलाल ख़ान से जुड़ी हुई हर जानकारी जुटा रही है। 2021 में पकड़े गए आरोपियों से ड्रग सप्लाई के धंधे में बिलाल खान के शामिल होने की पुष्टि हुई थी। इस आरोपी को बचाने के लिए बजरंग दल ने पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया था। अपराधियों के साथ बजरंग दल के जुड़ाव का भी खुलासा हुआ है। इस मामले को लेकर अब बजरंग दल ने भी चुप्पी साध ली है।

अतीक–अशरफ हत्याकाण्ड की स्वतंत्र जांच कराने बहन पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । बहुचर्चित अतीक–अशरफ हत्याकाण्ड की स्वतंत्र जांच कराने की मांग करते हुए अतीक की बहन सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। इस तरह से कोर्ट गैंगस्टर–राजनेता अतीक अहमद और अशरफ अहमद की हत्या का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। जानकारी के अनुसार अतीक की बहन आईशा ने एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच की मांग करते हुए भारत के सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है। गौरतलब है कि अतीक अहमद और अशरफ अहमद की उत्तर प्रदेश में पुलिस हिरासत में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि अतीक के बेटे और उसके भतीजे का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया था। एक अन्य याचिका अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा जनहित में दायर की गई है। जिसमें अहमद बंधुओं की हत्याओं की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है, जो कि लाइव टेलीविजन पर देखी गई थी। साथ ही जनहित याचिका में 2017 से अप्रैल तक हुए 183 एनकाउंटर की जांच भी एक्सपर्ट कमेटी से कराने की मांग की गई थी। इसके अलावा अतीक सहित उमेश पाल हत्याकांड के अन्य आरोपियों की मुठभेड़ में हत्या की जांच के बारे में भी जानकारी मांगी गई है। सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता सोमेश चंद्र झा और अमर्त्य आशीष शरण के माध्यम से दायर याचिका में अतीक और अशरफ की बहन आयशा नूरी ने याचिकाकर्ता के भाइयों के साथ–साथ अन्य सदस्यों की हिरासत में और न्यायेतर हत्याओं की स्वतंत्र जांच की भी मांग की है। याचिकाकर्ता के परिवार की ये सभी घटनाएँ एक–दूसरे से कुछ ही दिनों के अंतर पर हुईं, ताकि उच्च–स्तरीय राज्य एजेंटों को पकड़ा जा सके, जिन्होंने कथित तौर पर उसके परिवार के सदस्यों को मारने, प्रताड़ित करने, गिरफ़्तार करने और परेशान करने के लिए एक अभियान चलाया था।

टीएमसी के दो गुटों में हुई झड़प, गोलीबारी में एक की मौत, पांच घायल

कूचबिहार । पश्चिम बंगाल में टीएमसी के दो गुटों में हुई झड़प के बाद गोलीबारी में एक युवक की मौत हो गई है, वहीं पाचं कार्यकर्ता घायल बताए जा रहे हैं। यहां पंचायत चुनाव से पहले लगातार हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार आज कूचबिहार जिले में दो गुटों की आपस में हिंसक झड़प हो गई। बताया जा रहा है कि टीएमसी के ही दो गुट आपस में भिड़ गए और एक–दूसरे पर फायरिंग कर दी। इस दौरान पांच लोग घायल हो गए। वहीं एक युवक की मौत हो गई। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 8 जुलाई को पंचायत चुनाव के लिए वोटिंग होने वाली है। वोटिंग से पहले नामांकन के दौरान पूरे पश्चिम बंगाल के अलग–अलग इलाकों से आए दिन हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिले के दिनहाटा के जरीधल्ला में मंगलवार की सुबह ये हिंसा हुई है, जहां दो गुट आपस में भिड़ गए। इसके बाद गोलीबारी भी हुई। मृतक की पहचान बाबू हक के रूप में हुई है। जिले के एसपी सुमित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के गीतलदाहा में आज सुबह दो गुटों के बीच झड़प हो गयी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है। अब स्थिति नियंत्रण में है। इससे पहले सोमवार को मुर्शिदाबाद जिले के डोमकोल में पंचायत चुनाव के प्रचार–प्रसार के दौरान हिंसा फैल गई थी। यहां प्रचार के दौरान तृणमूल और सीपीआईएम के समर्थकों के बीच झड़प हो गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीपीआईएम के उम्मीदवार डोमकोल में प्रचार कर रहे थे। इस बीच टीएमसी के समर्थकों ने दावा किया कि विपक्षी भीड़ को उकसाकर माहौल खराब कर रहे हैं। इस हिंसा के दौरान बमबारी भी हुई। फायरिंग भी की गई। इस दौरान टीएमसी के चार कार्यकर्ता घायल हो गए थे। वहीं राज्य में हिंसा बढ़ता देख विपक्षी पार्टियों ने केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती की मांग की थी।

आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के हुवरा गांव में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड में एक स्?थानीय आतंकी मारा गया। हालांकि अभी उसकी पहचान नहीं हो पाई। उसके पास से हथियार व गोला बारूद बरामद किया गया है। इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सेना के जवानों ने जब पुलिस के साथ मिलकर संयुक्?त अभियान शुरू किया तो गोलीबारी शुरू हो गई। इलाके की घेराबंदी के बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी फायरिंग शुरू की। इस दौरान एक आतंकी मारा गया। गौरतलब है कि हाल के महीनों में सुरक्षा बलों व आतंकवादियों के बीच अनेक बार मुठभेड हो चुकी है।

भारत–अमेरिका के बीच हुए समझौता से घबराया चीन

नई दिल्ली । भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका उस समय के बीच रक्षा और उच्च तकनीक व्यापार में आगे बढ़ने की दिशा में कई कदम बढ़ाए हैं। दोनों देशों के बीच कई बड़ी बिजनेस डील हुई है। इससे परेशान चीन ने प्रासंगिक देशों से सुरक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय देशों के बीच आपसी विश्वास के लिए अनुकूल तरीके से कार्य करने का आह्वान किया है। चीन ने कहा कि देशों के बीच सहयोग से न क्षेत्रीय शांति–स्थिरता को कमजोर किया जाना चाहिए, और न ही किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाया जाना चाहिए। चीनी विदेश मंत्रालय प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि राज्यों के बीच सैन्य सहयोग क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर नहीं करना चाहिए। किसी तीसरे पक्ष को निशाना नहीं बनाना चाहिए या किसी तीसरे पक्ष के हितों को भी नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। चीन की ये प्रतिक्रिया भारत और अमेरिका के बीच कई रक्षा और वाणिज्यिक समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद आई है। गौरतलब है कि अमेरिका से मिलने वाले 31 प्रिडेटर ड्रोन में से 15 नौसेना के दिए जाएंगे। नौसेना इनका इस्तेमाल समुद्र में चीन पर निगरानी के लिए करेगी।

मणिपुर में सरकारी कर्मचारियों पर लागू होगा ‘काम नहीं, वेतन नहीं नियम

इंफाल। मणिपुर सरकार ने ऑफिस नहीं आने वाले अपने सरकारी कर्मचारियों पर ‘काम नहीं, वेतन नहीं नियम लागू करने का फैसला लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) से उन कर्मचारियों का ब्यौरा देने के लिए कहा गया है, जो जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य की मौजूदा स्थिति के कारण कार्यस्थल पर उपस्थिति नहीं दर्ज करा पा रहे हैं। जीएडी सचिव माइकल एचोम की ओर से जारी परिपत्र में कहा गया है, ‘12 जून को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक और कार्यवाही के पैरा 5–(12) में लिए गए निर्णय के अनुसार, मणिपुर सचिवालय के सामान्य प्रशासन विभाग से वेतन प्राप्त कर रहे सभी कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि उन सभी कर्मचारियों पर ‘काम नहीं, तब वेतन नहीं नियम लागू किया जा सकता है, जो अधिकृत छुट्टी लिए बगैर कार्यस्थल पर नहीं पहुंच रहे हैं।’ मणिपुर सरकार के लगभग एक लाख कर्मचारी हैं।परिपत्र में सभी प्रशासनिक सचिवों से ‘उन कर्मचारियों का ब्यौरा देने को कहा गया है, जो राज्य के मौजूदा हालात के चलते कार्यालय नहीं आ रहे हैं।’ इसमें निर्देश दिया गया है कि सामान्य प्रशासन विभाग और कार्मिक विभाग को 28 जून तक इसतरह के सभी कर्मचारियों के नाम, ईआईएन (कर्मचारी पहचान संख्या), मौजूदा पता सहित अन्य विवरण उपलब्ध कराए जाएं, ताकि उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके।

दिल्ली में ‘जंगलराज’, लोग खुद को महसूस कर रहे असुरक्षित: केजरीवाल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान के नजदीक स्थित अंडरपास में हुई लूटपाट की घटना की पृष्ठभूमि में मंगलवार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर केंद्र सरकार और उप राज्यपाल पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि जब दिल्ली जी-20 सम्मेलन की तैयारी कर रही है ऐसे समय यहां ‘जंगल राज’ कायम हो गया है। केजरीवाल ने दावा किया कि अगर दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को यहां की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी दे दी जाए तो वह इसे देश का सबसे ‘सुरक्षित शहर’ बना देगी। उल्लेखनीय है कि प्रगति मैदान के नजदीक अंडरपास में चार मोटरसाइकिल सवारों ने एक डिलीवरी एजेंट और उसके साथी से बंदूक के दम पर दो लाख रुपये लूट लिए थे।

शनिवार की इस घटना के सिलसिले में अबतक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन करने के लिए आयोजित कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में केजरीवाल ने कहा, ‘‘ऐसा प्रतीत होता है कि केंद्र सरकार के पास दिल्ली में कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है।’’ मुख्यमंत्री ने कहा, ‘‘चार लोगों ने प्रगति मैदान अंडरपास के पास लूटपाट को अंजाम दिया। जी-20 शिखर सम्मेलन अंडरपास के नजदीक होगा। दिल्ली में लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यह ‘जंगल राज’ है।’’ उन्होंने एक अन्य घटना का हवाला देते हुए सवाल किया, ‘‘दिल्ली में क्या हो रहा है? क्या राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था की स्थिति ऐसी होनी चाहिए?’’ उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री और उप राज्यपाल वी के सक्सेना ने पिछले सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था को लेकर एक दूसरे पर आरोप लगाते पत्र भेजे थे।

उप राज्यपाल पर ‘आप’ सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए केजरीवाल ने कहा, ‘‘मौजूदा (कानून व्यवस्था की) स्थिति के लिए एक ही कारण जिम्मेदार है और वह यह है कि केंद्र और उप राज्यपाल अपनी सारी ऊर्जा दिल्ली सरकार के काम को रोकने में लगा रहे हैं।’’ उन्होंने कहा, ‘‘वे हमारे स्कूलों, मोहल्ला क्लीनिक, जलापूर्ति और बिजली से जुड़े कार्यों को रोकने के तरीके के बारे में सोचते हैं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे हमें काम करने दें और वे अपना काम करें। अगर वे कानून व्यवस्था नहीं संभाल सकते तो यह जिम्मेदारी हमें दे दें। हम दिल्ली को देश का सबसे सुरक्षित शहर बनाएंगे।

हम सलमान खान को मारेंगे, और जरूर मारेंगे’

–गैंगस्टर गोल्डी बरार ने फिर दी सलमान खान को खुली धमकी

नई दिल्ली । सिने स्टार सलमान खान को एक बार फिर से कनाडा में छिपे गैंगस्टर गोल्डी बरार ने जान से मारने की धमकी दी है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से सलमान खान को लगातार धमकियां मिल रही हैं। एक न्यूज चैनल से बातचीत में गोल्डी बरार ने कहा कि मुझे जब भी मौका मिलेगा, मैं सलमान खान को जरूर मारूंगा। इतना ही नहीं, सतविंदर सिंह उर्फ गोल्डी बरार ने ये भी खुलासा किया कि सलमान खान का नाम उसकी हिट लिस्ट में है। इंटरव्यू में पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मास्टरमाइंड गोल्डी बरार ने कहा कि उसकी गैंग सलमान खान को जरूर मारेगी। इतना ही नहीं वॉन्टेड गैंगस्टर ने कहा कि जब भी हमें मौका मिलेगा, हम उसे मार देंगे। बरार ने कहा कि उसे भाई साहब (लॉरेंस बिश्नोई) ने बताया था कि उन्होंने माफी नहीं मांगी है। बाबा दया सिर्फ तब दिखाते हैं, जब कोई उस माफी के काबिल होता है। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई ने भी एक इंटरव्यू में यह बात कही थी कि सलमान खान को मारना उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा गोल है। गैंगस्टर गोल्डी बरार ने यह भी कहा कि उसकी हिट लिस्ट में सिर्फ सलमान खान नहीं है, बल्कि हम जब तक जिंदा हैं अपने हर दुश्मन को मारने की कोशिश जारी रखेंगे। सलमान खान हमारी गैंग का टारगेट है। हम कोशिश करते रहेंगे और जब सफल होंगे सबको पता लग ही जाएगा। जांच एजेंसी एनआइए भी अपनी चार्जशीट में ये बता चुकी है कि लॉरेंस बिश्नोई की गैंग में इस वक्त 700 से अधिक शूटर्स एक्टिव हैं। अपनी चार्जशीट में एजेंसी ने यह भी बताया कि पंजाब के मशहूर गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या और कई हाई प्रोफाइल हत्याओं के पीछे मास्टरमाइंड इसी गैंग का हाथ है।

पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की सभी अनियमितताओं और घोटालों की जांच करेंगे : सिद्धरमैया

मुंबई (एजेंसी)। हासन। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान हुए कथित घोटालों और अनिमियतताओं की जांच कराएगी तथा दोषियों को दंडित करेगी। सिद्धरमैया ने यह भी रेखांकित किया कि उनकी सरकार सभी चुनावी वादों को पूरा करेगी। कांग्रेस ने चुनाव से पहले ‘पांच गांरटी’ की घोषणा थी, जिन्हें लागू करने की स्थिति में राजकोष पर करीब 59 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ने की संभावना है और इस साल बोझ कुछ ज्यादा हो सकता है।

सिद्धरमैया ने कहा, ‘‘हम घोटालों की जांच करेंगे। चार चिकित्सा महाविद्यालयों का निर्माण किया गया था और उसमें अनियमितता के आरोप हैं, हम इसकी जांच कराएंगे। साथ ही 40 प्रतिशत कमीशन लेने के आरोपों की भी जांच की जाएगी।’’ उन्होंने कहा, ‘‘कोविड-19 के दौरान स्वास्थ्य संबंधी वस्तुओं की खरीद, सिंचाई परियोजनाओं में अनियमितता की गई है और बिटकॉइन घोटाला हुआ है, इन सभी की जांच की जाएगी।’’ सिद्धरमैया ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को पुलिस उपनिरीक्षक (पीएसआई) भर्ती घोटाले की जांच करने को कहा है और इसका विस्तार किया जाएगा तथा जो दोषी होंगे उन्हें दंडित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान चामराजनगर अस्पताल में कथित तौर पर ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों की जांच भी कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ‘‘तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने कहा था कि केवल दो लोगों की मौत हुई थी, लेकिन ऑक्सीजन आपूर्ति में कमी की वजह से हताहतों की संख्या कहीं अधिक थी। उन्होंने झूठ बोला था और हम उसकी जांच कराएंगे।

ममता बनर्जी का दावा, मोदी सरकार बस 6 महीने और चलेगी

जलपाईगुड़ी (एजेंसी)। अगले साल होने वाले लोक सभा चुनावों के लिए पार्टियां जहां अपनी तैयारियों में जुटी हुई हैं, वहीं एक दूसरे पर छींटाकसी भी खूब हो रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि केंद्र में भाजपा नीत सरकार छह महीने और चलेगी क्योंकि अगले साल फरवरी-मार्च में लोकसभा चुनाव होंगे। पंचायत चुनाव के लिए जलपाईगुड़ी जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा कि बीएसएफ को निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए क्योंकि भाजपा कल सत्ता में नहीं होगी। उन्होंने दावा किया अगला लोकसभा चुनाव अगले साल फरवरी-मार्च में होगा। जिसमें बीजेपी को करारी हार का सामना करना है। इस तरह से बीजेपी सरकार का कार्यकाल सिर्फ छह महीने का है। हार को भांपते हुए बीजेपी विभिन्न समूहों और समुदायों की पैरवी करने की कोशिश नहीं कर रही है।पिछला लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई 2019 में हुआ था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 मई, 2019 को लगातार दूसरी बार शपथ ली थी।

सीएम ममता बनर्जी ने रैली के दौरान सीमावर्ती इलाकों में कथित तौर पर बीएसएफ की गोलीबारी में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये का मुआवजा और नौकरी की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैं सभी बीएसएफ अधिकारियों पर आरोप नहीं लगा रही हूं, वे हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। लेकिन बीएसएफ को निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए क्योंकि कल भाजपा सत्ता में नहीं होगी, लेकिन उन्हें अपना काम करते रहना होगा।

गौरतलब है कि सोमवार को उन्होंने बीएसएफ पर भाजपा की ओर से सीमावर्ती इलाकों में मतदाताओं को डराने-धमकाने का आरोप लगाया था, जिस पर सीमा सुरक्षा बल ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोप को सच्चाई से बहुत दूर करार दिया था।

यूसीसी पर पीएम मोदी के बयान पर विपक्षी नेताओं की भौंहे चढ़ी, औवेसी हुए सरकार पर हमलावार

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावी को लेकर भाजपा–कांग्रेस सहित कई छोटे राजनीतिक दलों ने तैयारी शुरु कर दी है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर हमला कर कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति ने देश को काफी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा, आज के समय यूसीसी के नाम पर लोगों को भड़काया जा रहा है। देश दो कानूनों पर कैसे चल सकता है ? देश भी समान अधिकारों की बात करता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी यूसीसी लागू करने को कहा है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि भाजपा, मुस्लिम समुदाय के लोगों से संपर्क करते हुए उनके भ्रम को दूर करेगी। वहीं पीएम मोदी के यूसीसी वाले बयान पर विपक्षी दलों के राजनेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया दी। अवैसी ने लिखा, पीएम नरेंद्र मोदी ने तीन तलाक़, यूसीसी और पसमंदा मुसलमानों पर कुछ टिप्पणी की है। लगता है मोदी जी ओबामा की नसीहत को ठीक से समझ नहीं सके। औवेसी ने लिखा, एक ओर आप पसमांदा मुसलमानों के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं, और दूसरी तरफ आपके प्यादे उनकी मस्जिदों पर हमला कर रहे हैं, उनका रोजगार छीन रहे हैं, उनके घरों पर बुलडोजर चला रहे हैं, उनकी लिंचिंग के जरिए हत्या कर रहे हैं, और उनके आरक्षण की मुख़ालिफ़त भी कर रहे हैं। आपकी सरकार ने गरीब मुसलमानों की स्कॉलरशिप ख़त्म कर दी। समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए जेडीयू नेता केसी त्यागी ने टिप्पणी भाजपा पर निशाना साधा है।

एयरइंडिया फ्लाइट में शौच करने पर यात्री गिरफ्तार, जमानत पर रिहा

– आईपीसी की धारा 294 और 510 के तहत मामला दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई-दिल्ली एयर इंडिया की उड़ान में एक चौंकाने वाली घटना में दिल्ली पुलिस ने आईजीआई हवाईअड्डे पर पहुंचने पर एक पुरुष यात्री को कथित तौर पर विमान के अंदर शौच और पेशाब करके विघटनकारी व्यवहार में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आईएएनएस के पास मौजूद एफआईआर के मुताबिक, 24 जून को मुंबई से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआईसी 866 में सीट नंबर 17एफ पर बैठे यात्री राम सिंह ने विमान के अंदर पंक्ति 9वीं पंक्ति में बैठे लोगों पर शौच, पेशाब और थूक दिया। उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल के निवासी सिंह को बाद में एक स्थानीय अदालत ने जमानत पर रिहा कर दिया। एफआईआर में कहा गया है ?कि इस दुर्व्यवहार को फ्लाइट के केबिन क्रू ने देखा और बाद में एक मौखिक चेतावनी जारी की गई और यात्री को आसपास के यात्रियों से अलग कर दिया गया। फ्लाइट कैप्टन द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है। इस स्थिति के बारे में तुरंत मुझे, पायलट-इन-कमांड कैप्टन वरुण संसारे को सूचित किया गया।

भारतीय छात्रों के लिए ऑस्ट्रेलिया में आठ साल का वर्क वीजा उपलब्ध

–एक जुलाई से बदलेंगे नियम, काम के घंटों की सीमा में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में रहकर पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों के लिए अब वर्क वीजा बिना किसी प्रायोजक के उलब्ध कराया जाएगा। साथ ही काम के घंटे की सीमा भी बढ़ा दी गई है। जानकारी के अनुसार त्रितियक स्तर के शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले भारतीय छात्र इस साल 1 जुलाई से बिना प्रायोजक के आठ साल के लिए वर्क वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा, वर्क वीजा पर दो साल का विस्?तार भी मिल सकेगा और हर पखवाड़े में काम के घंटे की सीमा 40 से बढ़ाकर 48 कर दी जाएगी। इस महीने की शुरुआत में, भारत और ऑस्ट्रेलिया ने छात्रों, अकादमिक शोधकर्ताओं और व्यापारिक लोगों के लिए अवसर खोलने के लिए एक आव्रजन और गतिशीलता साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, मोबिलिटी अरेंजमेंट फॉर टैलेंटेड अर्ली-प्रोफेशनल्स स्कीम भारत के युवा पेशेवरों के लिए 3,000 वार्षिक स्पॉट उपलब्ध कराएगी, जिससे उन्हें वीज़ा के लिए प्रायोजकों की आवश्यकता के बिना देश में दो साल बिताने की अनुमति मिलेगी।

एक अस्थायी वीज़ा कार्यक्रम के रूप में एमएटीईएस में अध्ययन के विशेष क्षेत्रों में डिग्री के साथ मान्यता प्राप्त भारतीय विश्वविद्यालयों के स्नातक शामिल हैं। एमएटीईएस वीज़ा के लिए व्यवसाय के पात्र क्षेत्रों में इंजीनियरिंग, खनन, वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा शामिल हैं। एमएटीईएस वीज़ा कार्यक्रम के लिए पात्र होने के लिए, उम्मीदवारों की आयु 31 वर्ष से कम होनी चाहिए, उन्होंने किसी मान्यता प्राप्त और सत्यापित विश्वविद्यालय से अपनी शिक्षा पूरी की हो और अपने करियर के शुरुआती चरण में हों। हालांकि एमएटीईएस वीज़ा के लिए शुल्क और वीज़ा प्रसंस्करण समय की घोषणा अभी तक नहीं की गई है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने इस साल अप्रैल में कहा था कि वह देश में अत्यधिक कुशल श्रमिकों को लाने में तेजी लाने के लिए अपनी आव्रजन प्रणाली में सुधार करेगा। सरकार ने कहा कि कुशल प्रवासियों को लुभाने के लिए उच्च-कुशल पेशेवरों के लिए वीजा प्रक्रिया को तेज और आसान बनाया जाएगा और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को बनाए रखने के लिए कदम उठाए जाएंगे। साथ ही 1 जुलाई से अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए स्वीकार्य कार्य-घंटे की सीमा को दो साल के कार्य वीजा विस्तार के साथ प्रति पखवाड़े 40 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे कर दिया जाएगा।संशोधित सीमा अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को अपने वीज़ा के प्राथमिक उद्देश्य के रूप में अध्ययन को बनाए रखते हुए मदद करेगी।

मणिपुर में महिला कार्यकर्ता सुरक्षा बलों के अभियान में डाल रहीं बाधा

– सेना की अपील, राज्य में शांति बनाए रखने के लिए करें मदद

इम्फाल (एजेंसी)। सेना ने लोगों से मणिपुर में शांति बहाल करने में उनकी मदद करने का आग्रह करते हुए कहा कि हिंसा प्रभावित इस पूर्वोत्तर राज्य में महिला कार्यकर्ता जानबूझकर मार्गों को अवरुद्ध कर रही हैं और सुरक्षा बलों के अभियान में बाधा डाल रही हैं। सेना के स्पीयर्स कोर ने सोमवार देर रात ट्विटर पर ऐसी कुछ घटनाओं का एक वीडियो साझा किया और कहा कि इस तरह का अनुचित हस्तक्षेप सुरक्षा बलों को समय पर जरूरी कार्रवाई करने से रोकता है। यह बयान इंफाल ईस्ट जिले के इथम गांव में सेना और महिलाओं के नेतृत्व वाली भीड़ के बीच गतिरोध के दो दिन बाद आया है, जिसके कारण सुरक्षा बलों को वहां छिपे 12 उग्रवादियों को जाने देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। स्पीयर्स कोर ने ट्वीट किया कि मणिपुर में महिला कार्यकर्ता जानबूझकर मार्गों को अवरुद्ध कर रही हैं और सुरक्षा बलों के अभियान में बाधा डाल रही हैं। इस तरह का अनुचित हस्तक्षेप गंभीर परिस्थितियों के दौरान जान-माल का नुकसान रोकने के लिए सुरक्षा बलों को समय पर

जरूरी कार्रवाई करने से रोकता है। उसने ककि कि भारतीय सेना सभी वर्गों से शांति बहाल करने के हमारे प्रयासों का समर्थन करने की अपील करती है। मणिपुर की मदद करने में हमारी सहायता करें। अधिकारियों ने बताया था कि इंफाल ईस्ट के इथम गांव में महिलाओं के नेतृत्व वाली भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच शनिवार को गतिरोध के बाद सेना ने नागरिकों की जान जोखिम में न डालने का परिपक्व फैसला किया और बरामद किए गए हथियारों व गोला-बारूद के साथ वहां से हट गए। इससे ही यह गतिरोध खत्म हो पाया।

सुरक्षा बलों ने इथम गांव को शनिवार को घेर लिया था, जहां प्रतिबंधित मेइती उग्रवादी समूह कांगलेई योल कान-ना लुप के 12 सदस्य छिपे हुए थे। इस कार्रवाई के बाद भीड़ और सैनिकों के बीच गतिरोध उत्पन्न हुआ था। केवाईकेएल एक मेइती उग्रवादी समूह है, जो 2015 में छह डोगरा इकाई पर घात लगाकर किए गए हमले सहित कई हमलों में शामिल रहा है। बता दें कि मणिपुर में मेइती और कुकी समुदाय के बीच मई की शुरुआत में भड़की जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की है और यह मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहती है। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत है और यह मुख्यत– पर्वतीय जिलों में रहती है।

पिछले नौ साल में देश का सड़क नेटवर्क 59 प्रतिशत बढ़ा: गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि पिछले नौ वर्षों में किए गए मोदी सरकार के विकास कार्यों के तहत भारत का सड़क नेटवर्क 59 प्रतिशत बढ़कर दुनिया में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। गडकरी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज के समय में देश का सड़क नेटवर्क करीब 1,45,240 किलोमीटर है जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में यह सिर्फ 91,287 किलोमीटर ही था। इस तरह देश के सड़क नेटवर्क में पिछले नौ वर्षों के दौरान 59 प्रतिशत की उच्च वृद्धि हुई है। उन्होंने मोदी सरकार के नौ वर्षों की उपलब्धियों पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज भारत का सड़क नेटवर्क अमेरिका के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस दौरान सड़क निर्माण के क्षेत्र में भारत ने सात विश्व रिकॉर्ड भी कायम किए। गडकरी ने कहा कि बीते नौ वर्षों में टोल से मिलने वाला राजस्व भी 4,770 करोड़ रुपये से बढ़कर 41,342 करोड़ रुपये हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा टोल राजस्व को वर्ष 2030 तक 1.30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का है। उन्होंने कहा कि टोल संग्रह के लिए फास्टैग प्रणाली का इस्तेमाल किए जाने से टोल प्लाजा पर वाहनों के इंतजार करने का समय घटकर 47 सेकंड रह गया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस समय को 30 सेकंड के भीतर लाने के लिए कुछ और कदम उठा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आप ने जारी किया स्टिंग ऑपरेशन का वीडियो

सूरत की बीजेपी महिला पार्षद ने निर्माण के लिए प्रति पार्षद 40 हजार रूपये की मांग की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आम आदमी पार्टी ने सूरत में बीजेपी की एक महिला पार्षद द्वारा अपने क्षेत्र में निर्माण के लिए पैसे मांगने का स्टिंग ऑपरेशन का वीडियो जारी किया है। प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी और सूरत नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष धर्मेश भंडेरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह वीडियो जारी किया। स्टिंग ऑपरेशन के मुद्दे पर धर्मेश भंडेरी ने कहा कि सूरत नगर निगम की एक भाजपा महिला पार्षद वैशाली पाटिल (वार्ड नंबर २९) और उनके पति राजेंद्र पाटिल और भरतभाई ने प्रति पार्षद ४० हजार रूपये और चार पार्षदों वैशाली पाटिल, सुधाबेन पांडे, बंशु यादव, कानू पटेल के कुल १.६० लाख रूपये राउंडफिगर में एक लाख पचास हजार रूपये मांगे गए है। नगर निगम अधिकारी को भी तीन लाख का भुगतान करना होगा। भाजपा पार्षद द्वारा नगर निगम अधिकारी को बदनाम करने की साजिश की जा रही है। स्टिंग ऑपरेशन में किसी अधिकारी का नाम नहीं लिया गया है। सूरत की जनता के साथ-साथ गुजरात और देश की जनता को यह समझने की जरूरत है कि जिन लोगों को आप चुनकर भेजते हैं, वे सुविधा के काम के बजाय अपनी जेब भरने के काम को प्राथमिकता देते हैं। धर्मेश भंडेरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा।

उन्होंने आगे कहा कि इस घटना में जो शख्स पीड़ित है, उसने कुछ समय पहले हमारे सामने अपनी पीड़ा रखी थी। उन्होंने ५ अप्रैल २०२३ को अहमदाबाद एसीबी से लिखित शिकायत की थी। लिखित शिकायत के ढाई माह बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। हमारी मांग गुजरात की बीजेपी सरकार और एसीबी से है और हम गुजरात पुलिस से भी अनुरोध करते हैं कि इतने पुख्ता सबूत के बावजूद बीजेपी पार्षद के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस मामले की जांच होनी चाहिए। हम पीड़ित का नाम जारी नहीं कर सकते। एसीबी यदि उचित समझे तो उनके नाम सार्वजनिक कर सकती है या गुप्त रूप से जांच कर सकती है। इसमें जो भी आरोपी होगा उस पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन एसीबी से हमारी मांग है कि सभी आरोपों की जांच हो और एसआईटी का गठन हो और जो भी दोषी हो उसे जेल भेजा जाए। आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करती। दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने भी अपने ही मंत्रियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। उन्होंने आगे कहा कि एसीबी ने एक बार जाल बिछाया था, लेकिन उस समय महिला पार्षद और उसका साथी भरतभाई नहीं आये थे। तो मेरा सवाल ये भी है कि इन लोगों को कैसे पता चला कि एसीबी ने जाल बिछाया है? अगर आम आदमी पार्टी या विपक्ष का कोई नेता कुछ सामान्य बात भी बोलता है तो उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी जाती है, तो अब तक इन लोगों पर जांच क्यों नहीं हुई? इस मामले में जवाब लिखने के लिए एक बार शिकायतकर्ता को भी बुलाया

प्रेमी युगल ने ब्रिज से लगाई छलांग, युवक की घटनास्थल पर मौत, युवती ने अस्पताल में दम तोड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत के मुद्दत गांव से गुजरती पूर्णा नदी पर बने 100 फूट ऊंचे ब्रिज से प्रेमी युगल ने छलांग लगा ली। इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल युवती ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। परिवार दोनों की शादी के लिए तैयार नहीं इसलिए युगल ने यह कदम उठाया। जानकारी के मुताबिक नवसारी जिले के भेलखडी गांव निवासी गौरांग नायका और सूरत के खरवण गांव में रहनेवाली रोशनी नायका एक-दूसरे को प्यार करते थे और जीवनसाथी बनना चाहते थे। इस बारे में दोनों ने अपने परिवार से भी बात की थी। लेकिन परिवार दोनों की शादी के लिए राजी नहीं था। गौरांग को रोशनी से दूर रखने के लिए उसके परिवार ने अन्य लड़की से उसकी सगाई कर दी। गौरांग की सगाई होने के बाद युगल को लगा अब दोनों जीवनसाथी नहीं बन पाएंगे। युगल एक-दूजे को इतना प्यार करते थे कि दोनों को दूर रहना मंजूर नहीं था। युगल ने तय किया भले ही साथ जी नहीं सकते, लेकिन मर तो सकते हैं। ऐसा फैसला करने के बाद गौरांग और रोशनी एक्टिवा पर सवार होकर सूरत जिले की महुवा तहसील के मुद्दत गांव से बहनेवाली पूर्णा नदी पर बने ब्रिज पर पहुंच गए। जहां ब्रिज पर एक्टिवा खड़ी कर दी और उसके बाद दोनों 100 फूट की ऊंचाई से नदी में छलांग लगा दी। हांलाकि नदी में पानी कम होने की वजह से गौरांग पत्थरों से जा टकराया और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल रोशने को एम्ब्युलैंस 108 की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। महुवा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब छिपाने बेडरूम बनाया तहखाना और किचन में गुप्त खाना, एसएमसी ने खोज निकाला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में शराबबंदी होने के बावजूद आए दिन देशी-विदेशी शराब पकड़ी जाती है। माफिया शराब तस्करी के लिए नित नए तरीके आजमाते हैं, इसके बावजूद पुलिस के हाथों देर-सबेर धर लिए जाते हैं। अहमदाबाद के गोमतीपुर क्षेत्र में रेड क स्टेट मोनिटरिंग सेल (एसएमसी) ने शराब समेत रु 4.74 का मालसामान जब्त कर लिया। साथ ही एक नाबालिग समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर अन्य को वांटेड घोषित किया गया है। जानकारी के मुताबिक एसएमसी को सूचना मिली थी कि अहमदाबाद के गोमतीपुर क्षेत्र में नजीर हुसैन उर्फ हुसैन उस्मान घांची ने अपने घर में बड़ी मात्रा शराब छिपाकर रखी है। सूचना के आधार पर एसएमसी ने नजीर हुसैन के घर पर रेड की। हांलाकि एसएमसी को रेड में नजीर हुसैन के घर से शराब बरामद नहीं हुई। लेकिन मुखबीर की सूचना पुख्ता होने के कारण एसएमसी ने तलाश जारी रखी। तलाशी के दौरान एसएमसी टीम की नजर रसोई घर में लगी एक टाइल्स पर गई। टाइल्स हटाने पर उसके पीछे गुप्त खाना मिला, जिसमें शराब की पेटियां छिपाई गई थीं। जिसके बाद एसएमसी की टीम बेडरूम में पहुंच गई। जहां एक रखी एक अलमारी का दरवाजा खोला तो सामने तहखाना था और वहां भी शराब की पेटियां रखी हुई थीं। पुलिस ने किचन के गुप्त खाने और बेडरूम में मिले तहखाने से शराब की 2758 बोतलें और बियर 516 बियर के टीन जब्त कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से शराब और बियर समेत कुल रु4.74 लाख का मालसामान जब्त कर लिया। साथ ही विनोद राणा, दिलीप डोडिया और एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। जबकि शराब माफिया नजीर हुसैन उर्प हुसैन उस्मान घांसी, उसकी बेटी यास्मिन, बेटा फैजल घांची, यूनुस घांची, जिहान के अलावा गणेश राणा को वांटेड घोषित किया है। नजीर हुसैन करीब तीन दशकों से भी अधिक समय से शराब की तस्करी कर रहा है।

स्टेट मोनिटरिंग सेल की कार्यवाही के बाद स्थानीय गोमतीपुर पुलिस पर सवाल उठने लगे हैं कि आखिर इतने सालों से नजीर हुसैन शराब तस्करी कर रहा था तो उसकी गोमतीपुर पुलिस को क्यों नहीं लगी?

चालू स्कूल में छात्रा को पड़ा दिल का दौरा, अस्पताल में उपचार मिलने से पहले हुई मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,हार्ट अटैक से मौत की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ रही हैं। नवसारी की एक स्कूल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। छात्रा की मौत से परिवार में शोक व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक नवसारी के परतापोर स्थित एबी स्कूल में कक्षा 12 की तनीषा गांधी छात्रा बेहोशी के हालत में मिलने के बाद स्कूल संचालक को इसकी जानकारी दी। छात्रा को उपचार के लिए प्राइवेट अस्पताल रवाना किया गया। हांलाकि तनीषा का उपचार हो उससे पहले ही रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। शुरूआत में तनीषा की अन्य वजह से मौत की आशंका जताई गई थी। लेकिन पोस्ट मार्टम के बाद स्पष्ट हो गया कि तनीषा की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई। तनीषा की मौत से उसके परिवार में शोक व्याप्त है।

वर्ल्ड ड्रग्स डे पर ही वडोदरा में 5.42 लाख के ड्रग्स के साथ एक शख्स गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा , शहर के कारेलीबाग क्षेत्र से पुलिस ने एक शख्स को रु 5.42 लाख कीमत के 54.22 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया। वर्ल्ड ड्रग्स डे पर यह घटना उस समय आई जब पुलिस शहर में ड्रग्स अवरनेस फैलाने के उद्देश्य से बाइक रैली का आयोजित की थी। जानकारी के मुताबिक वडोदरा एसओजी गश्त पर थी, उस दौरान पूर्व सूचना के आधार पर शहर के कारेलीबाग क्षेत्र में छापा मारा। जहां से संदेह के आधार पर साजिद अली पठान नामक शख्स की तलाशी ली। साजिद अली पठान के पास से रु 5.42 लाख कीमत की ५४.२२ ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुआ। पुलिस ने ड्रग्स समेत रु 577400 का माल सामान जब्त कर लिया और आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस के तहत केस दर्ज कर वह ड्रग्स कहां से और कैसे लाया था? ड्रग्स तस्करी में और कौन कौन शामिल है? इस दिशा में पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू की है। बता दें कि नशीले पदार्थों से विनाशकारी प्रभावों के बारे में लोगों को जागृत करने के उद्देश्य से हर साल 26 जून को ड्रग्स डे के तौर पर मनाया जाता है। कार्यक्रम के जरिए नागरिकों में अवरनेस फैलाने का प्रयास किया जाता है। ऐसे वर्ल्ड ड्रग्स डे पर ही वडोदार में ड्रग्स पकड़े जाने से सवाल उठने लगे हैं।

हत्या के मामले में संलिप्त आरोपी उड़ीसा से गिरफ्तार, 23 साल से सूरत पुलिस को दे रहा था चकमा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत पुलिस ने हत्या के मामले में संलिप्त एक आरोपी को 23 साल बाद उड़ीसा से गिरफ्तार कर लिया। सूरत पुलिस की टीम ने वेशभूषा बदली और संबंधित क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति जानने के बाद आरोपी को दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक सूरत की पीसीबी पुलिस को सूचना मिली थी कि दो दशक पुराने हत्या के मामले में संलिप्त आरोपी उड़ीसा में घूम रहा है। सूचना के आधार पर सूरत पुलिस की एक टीम उड़ीसा पहुंच गई। जहां स्थानीय पुलिस की मदद से उडीसा के गंजाम जिले के सोडक गांव से आरोपी सीमांचल लाडू उर्फ नड्डु डाकवा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वर्ष 2001 में सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के पुनीतनगर में किराए के मकान में रहता था। पड़ौस में रहनेवाले शिवराम दलाई के बेटे के नए कपड़े प्रताप उर्फ शंकर नामक शख्स लेकर भाग गया था। प्रताप उर्फ शंकर की तलाश में आरोपी सीमांचल अन्य लोगों के साथ गया था। जहां प्रताप से झगड़ा हुआ और उसके बाद आरोपी सीमांचल समेत अन्य लोगों ने उस पर चाकू, कुल्हाडी और तलवार से हमला कर दिया। आरोपियों ने प्रताप का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसका शव खाडी में फैंक दिया। जिसके बाद सभी आरोपी फरार हो गए। आरोपी सीमांचल उर्फ नड्डु डाकवा सूरत से केरल, तमिलनाडु भाग गया था, जहां निर्माण क्षेत्र में मजदूरी करने लगा। जिसके कुछ वर्षों बाद वह अपने गांव गया था। हांलाकि जब कभी गुजरात पुलिस वहां पहुंचती तो वह जंगल में भाग जाता था। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने अपनी वेशभूषा बदली और लगातार उसके गांव के आसपास की भौगोलिक स्थिति से वाकिफ हुई। आरोपी गांव में मौजूद होने की पुख्ता जानकारी के बाद सूरत पुलिस वेशभूषा बदली और स्थानीय पुलिस के साथ ट्रैक्टर पर सवार होकर उस खेत पर जा पहुंची जहां सीमांचल उर्फ नड्डु डाकवा काम कर रहा था। आरोपी कुछ समझे उससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। 23 साल के बाद आखिरकार हत्या के मामले में संलिप्त आरोपी कानून की गिरफ्त में आ गया।

हत्थे चढ़े मोबाइल स्नेचर की लोगों ने की जमकर धुनाई, मोटर साइकिल भी फूंक दी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर में मोबाइल स्नेचर का आतंक बढ़ता जा रहा है, जिसे लेकर लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। शहर के खटोदरा क्षेत्र में एक मोबाइल स्नेचर लोगों के हत्थे चढ़ गया। फिर क्या था गुस्साए लोगों ने मोबाइल स्नेचर की अच्छे से खातिरदार की और उसके मोटर साइकिल भी फूंक दी। जानकारी के मुताबिक सूरत के खटोदरा में बाइक पर आए दो झपट्टामार किसी व्यक्ति का मोबाइल लेकर भागने का प्रयास कर रहे थे। उस वक्त एक मोबाइल स्नेचर नीचे गिर गया और आसपास के लोगों के हत्थे छड़ गया। जबकि दूसरा झपट्टामार अपने साथी और मोटर साइकिल को छोड़ घटनास्थल से फरार हो गया। लोगों ने पकडे गए मोबाइल स्नेचर की जमकर धुनाई कर दी। लोगों में गुस्सा इतना था कि उन्होंने मोबाइल स्नेचर की मोटर साइकिल में आग लगा दी। ऐसी घटनाओं को लेकर पुलिस को सक्रिय रहना चाहिए। ज्यादातर झपट्टामार ओवरस्पीड बाइक चलाते हैं और किसी व्यक्ति मोबाइल या कीमती सामान उड़ाकर फरार हो जाते हैं। ऐसी घटनाएं केवल सूरत ही नहीं बल्कि कई शहरों में आए दिन सामने आती रहती है।

घटना को अंजाम देकर झपट्टामार इस तरह भाग जाते हैं कि किसी के हाथ नहीं आते। पुलिस को चाहिए कि ऐसी ओवरस्पीड गाडी चलाने वालों पर निगरानी रखे।

दक्षिण गुजरात के नवसारी में नाबालिग लिव इन पार्टनर की हत्या कर युवक ने किया स्युसाइड

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,जिले के बिलिमोरा के निकट 26 वर्षीय युवक ने नाबालिग लिव इन पार्टनर की गला घोंट मौत के घाट उतार दिया और उसके बाद खुद ने आत्महत्या कर ली। बिलिमोरा पुलिस इस सनसनीखेज मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक नवसारी जिले के बिलीमोरा के निकट बिहार का मूल निवासी 26 वर्षीय एक युवक नाबालिग लड़की के साथ लिव इन रिलेशिप में रहता था और एक कारखाने में काम करता था। बुधवार को किसी को बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और उसके बाद युवक ने नाबालिग लड़की की गला घोंटकर हत्या कर दी। लड़की की हत्या के बाद युवक ने फांसी लगाकर स्युसाइड कर लिया। युवक के एक रिश्तेदार ने बताया कि नाबालिग लड़की के वयस्क होने के बाद उससे शादी करने की योजना थी। जबकि लड़की के रिश्तेदार का कहना है कि युवक नशीले पदार्थों के सेवन के बाद हिंसक बन जाता था और लड़की के साथ मारपीट करता था। पुलिस के मुताबिक बुधवार की रात युवक ने नशे की हालत में लड़की के साथ झगड़ा किया और गुस्से में आकर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। जिसके बाद युवक ने फांसी लगाकर अपनी भी जान दे दी। बिलिमोरा पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।